कोटद्वार, शनिवार
8 नवम्बर 2025
वर्षः 47
अंकः 176 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

किसानों का परिश्रम और त्याग ही हमारी सच्ची पूंजी और ताकत : धामी

किसानों का परिश्रम और सरकार की नीतियां आने वाली पीढ़ियों के लिए तैयार करेंगे स्वस्थ, समृद्ध और स्वर्णिम भविष्य का निर्माण

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को राज्य के रजत जयंती उत्सव के अवसर पर पंतनगर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में वृहद कृषक सम्मेलन का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में कृषि, उद्यान, दुग्ध, मत्स्य, सहकारिता के प्रगतिशील कृषक व लखपति दीदीयों को मुख्यमंत्री द्वारा प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आये सभी किसानों को उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि किसान भाइयों का परिश्रम और त्याग ही हमारी सच्ची पूंजी है और उनका पसीना हमारी ताकत है। उन्होंने उत्तराखंड निर्माण के सपने को साकार करने में अपना योगदान देने वाले और बीते 25 वर्षों में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने में अपना अतुलनीय योगदान देने वाले किसानों को भी नमन किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन केवल कृषि संबंधी योजनाओं की चर्चा हेतु एक आम कार्यक्रम नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के हमारे सभी किसान भाइयों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश के संतुलित विकास के लिए यह आवश्यक है कि हमारे किसान भाइयों की परेशानियां कम हों, वे सशक्त बनें। किसानों के सशक्तिकरण के बिना राष्ट्र का सशक्तिकरण अधूरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती-किसानी के इर्द-गिर्द ही हमारा समाज विकसित हुआ, हमारी परम्पराएं पोषित हुईं और हमारे पर्व व त्योहार निर्धारित हुए। कहा कि हमारे शास्त्रों में भी लिखा है कि कृषि संपत्ति और मेधा प्रदान करती है और कृषि ही मानव जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि उनके लिए तो खेती करना देव उपासना जैसा है, क्योंकि उनके पिता एक जवान भी थे और एक किसान भी। खेती द्वारा, लोगों का पेट भरने से जो संतुष्टि प्राप्त होती है, उसकी व्याख्या नहीं की जा

सकती। यही कारण है कि वे आज भी खेती से जुड़े हैं और जब भी उन्हें समय मिलता है तो अपने गांव में खेती करने भी जाते हैं। उन्होंने कहा कि खेती से उन्हें आत्मिक शांति तो मिलती ही है साथ ही अपनी जमीन से भी जोड़े रखती है। माटी से ये जुड़ाव उन्हें सदैव उनके अस्तित्व, वांछित कर्म और कर्तव्य का बोध कराता है। इस अवसर पर दायित्वधारी अनिल कपूर डब्बू, बलराज पासी, उत्तम दत्ता, खतीब अहमद, महापौर विकास शर्मा, दीपक बाली, सचिव मुख्यमंत्री एवं कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत, सचिव एसएन पाण्डे, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल मंजूनाथ टीसी, सहित अनेक जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में कृषक बन्धु मौजूद थे।

किसानों का कल्याण हमारा संकल्प

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज जहां एक ओर सभी प्रमुख फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य में अभूतपूर्व वृद्धि कर किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य प्रदान किया जा रहा है। वहीं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से किसान को प्राकृतिक आपदाओं, फसल रोगों और कीटों से होने वाले नुकसान हेतु सुरक्षा कवच भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के द्वारा खेतों की मिट्टी की वैज्ञानिक जांच कर किसानों को पोषक तत्वों की कमी और आवश्यक उर्वरकों की जानकारी भी दी जा रही है, जिससे उनकी उपज की गुणवत्ता और भूमि की उर्वरता दोनों में सुधार हो रहा है।

किसानों की आय बढ़ाने के किए जा रहे हैं प्रयास

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने किसानों की आय बढ़ाने के लिए पॉलीहाउस के निर्माण हेतु 200 करोड़ रूपए की राशि का प्रावधान भी किया है। इसके अंतर्गत अब तक राज्य में लगभग 115 करोड़ रुपए की सहायता से करीब 350 पॉलीहाउस स्थापित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हम जहां एक ओर गेहूं खरीद पर किसानों को 20 रूपए प्रति क्विंटल का बोनस प्रदान रहे हैं, वहीं हमने गन्ने के रेट में भी 20 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की है। इसके अतिरिक्त, हमने उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा आधारित खेती को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लगभग 1,000 करोड़ रुपये की लागत से उत्तराखंड क्लाइमेट रिस्पॉन्सिव रेन-फेड फार्मिंग प्रोजेक्ट भी स्वीकृत किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सब्जियों की तरह ही फलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी विभिन्न स्तरों पर काम कर रही है। हमारी सरकार ने 1200 करोड़ रुपये की लागत से नई सेब नीति, कीवी नीति, स्टेट मिलेट मिशन और ड्रैगन फ्रूट नीति जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू किया है। उन्होंने कहा कि इन नीतियों के तहत बागवानी को प्रोत्साहन देने के लिए किसानों को 80 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

टी टूरिज्म को दिया जा रहा है बढ़ावा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बागवानी के समग्र विकास हेतु जापान सहयोगित उत्तराखण्ड एकीकृत औद्यानिक विकास परियोजना के तहत 526 करोड़ रुपये की बाह्य सहायतित परियोजना टिहरी, उत्तरकाशी, नैनीताल और पिथौरागढ़ जनपदों में लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि सगंध पौधा केन्द्र द्वारा लैमनग्रास, मिन्ट, गुलाब, तेजपात, कैमोमिल जैसी फसलों को प्रोत्साहन देकर 9,500 हेक्टेयर क्षेत्र में सगंध खेती विकसित की गई है, जिससे 28,000 से अधिक कृषक 109 एरोमा क्लस्टरों के माध्यम से जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि चाय उत्पादन में भी राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य गठन के समय जहाँ केवल 196 हेक्टेयर में चाय की खेती होती थी, वहीं आज यह 1,585 हेक्टेयर तक विस्तृत हो चुकी है। अब प्रदेश में छः लाख किलोग्राम हरी पत्तियाँ उत्पादित हो रही हैं और लगभग डेढ़ लाख किलोग्राम प्रसंस्कृत चाय तैयार की जा रही है।

कृषि के क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि रजत जयंती वर्ष में हम उत्तराखंड का किसान-उत्तराखंड का गौरव के संदेश के साथ एक नई शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने सबसे आह्वान करते हुए कहा कि आइए, हम सभी मिलकर उत्तराखंड को समृद्ध, आत्मनिर्भर और आधुनिक कृषि राज्य बनाएं। क्योंकि आपका परिश्रम, हमारी नीतियां और केंद्र सरकार का सहयोग, यही मिलकर हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ, समृद्ध और स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करेंगे,

संक्षिप्त समाचार

घास काटते समय खाई में गिरी महिला, मौत

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पाबौ ब्लाक के बिशल्ड गांव की एक महिला जंगल में घास काटते समय फिसलकर गहरी खाई में गई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हायर सेंटर एम्स ऋषिकेश ले जाते समय घायल महिला ने तीन धारा के पास मौत हो गई।

तहसीलदार पौड़ी दीवान सिंह राणा ने बताया कि पाबौ ब्लाक के बिशल्ड गांव निवासी पूरण सिंह की पत्नी जयंती देवी 56 वर्ष बीते गुरुवार को अन्य महिलाओं के साथ गांव के पास जंगल में घास काटने गई थी। इसी दौरान घास काटते हुए वह फिसलकर करीब 600 मीटर गहरी खाई में गिर गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायल महिला को उपचार के लिए पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेस अस्पताल श्रीनगर रेफर कर दिया गया। बेस अस्पताल श्रीनगर से उपचार के बाद घायल जयंती को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया। तहसीलदार पौड़ी दीवान सिंह राणा ने बताया कि हादसे में घायल जयंती देवी ने एम्स ऋषिकेश ले जाते समय तीन धारा के समीप सुबह तड़के चार बजे दमतोड़ दिया।

बिजली के निजीकरण का विधेयक वापस ले सरकार

देहरादून। उत्तरांचल पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन ने बिजली के निजीकरण का विरोध किया। केंद्र सरकार के विद्युत (संशोधन) विधेयक 2025 के ड्राफ्ट पर लिखित में आपत्ति दर्ज की। विधेयक को तत्काल वापस लेने की मांग की। बिजली क्षेत्र के निजीकरण को किसानों, घरेलू उपभोक्ताओं के लिए आत्मघाती बताया। महासचिव राहुल चानना ने कहा कि इस विधेयक के लागू होने से दशकों में बनी एकीकृत और सामाजिक रूप से संचालित बिजली व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। बिजली वितरण और उत्पादन के सबसे लाभदायक हिस्से निजी कंपनियों के हाथ सौंप दिए जाएंगे। दूसरी ओर घाटा और सामाजिक दायित्व सार्वजनिक क्षेत्र को उठाने पड़ेंगे। बिजली उपभोक्ताओं के लोकतांत्रिक अधिकार, बिजली कर्मचारियों की आजीविका खतरे में पड़ जाएगी। बिजली दरें आसमान में पहुंच जाएंगी। इससे पहले भी वर्ष 2014, 2018, 2020, 2021 और 2022 में विधेयक पेश किए गए थे, लेकिन जन विरोध में आज तक ये विधेयक पारित नहीं हो पाए। इस बार भी इस विधेयक को किसी भी सूरत में संसद से पारित नहीं होने दिया जाएगा।

आयुर्वेद विवि : एक साल बाद रिजल्ट, फेल छात्रों पर संकट

देहरादून। आयुर्वेद विवि की ओर से 2022 बैच के बीएएमएस प्रथम वर्ष की परीक्षा का परिणाम लगभग एक साल बाद घोषित किया गया है। कई छात्रों को फेल या डिटेन कर दिया गया, जिससे इनका संकट बढ़ गया है। क्योंकि अब द्वितीय वर्ष की पढ़ाई को भी एक साल इनका बीत गया है। छात्रों ने विवि की इस लापरवाही पर नाराजगी जताई है। कहा कि उनका करियर इस सुस्ती की भेंट चढ़ सकता है। शैक्षणिक विशेषज्ञों का भी मानना है कि इस तरह की प्रशासनिक देरी से छात्रों के करियर पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। कहना है विश्वविद्यालय को विशेष परीक्षा आयोजित कर छात्रों के नुकसान की भरपाई करनी चाहिए। छात्र अब सीधे शासन से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। बीएएमएस कोर्स के ढांचे के अनुसार प्रत्येक डेढ़ वर्ष पर फाइनल परीक्षा, प्रत्येक छह माह पर टर्मिनल परीक्षा और प्रत्येक दो माह पर पीरियाडिक असेसमेंट होता है। इस प्रणाली के हिसाब से द्वितीय वर्ष के छात्रों की अगली व्यावसायिक परीक्षा अगले छह माह में होनी है।

पाकिस्तान की इस हरकत पर फूटा रूस का गुस्सा

इस्लामाबाद , पाकिस्तान अक्सर कुछ न कुछ ऐसा कर ही देता है, जिसकी वजह से पूरी दुनिया के सामने उसकी फजीहत हो जाती है। इस बार पाकिस्तानी मीडिया ने कुछ ऐसा कर दिया, जिसके बाद रूसी दूतावास का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। रूसी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पाकिस्तान की क्लास लगा दी। दरअसल, रूस को लेकर पाकिस्तानी अखबार द फ्रंटियर पोस्ट की खबरों पर रूसी दूतावास का गुस्सा फूटा।

सीएम योगी ने विपक्ष को घेरा, बोले—नौकरी के बहाने नौजवानों की जमीन हड़प लेते थे

पश्चिमी चंपारण ,। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार चुनाव प्रचार में शुक्रवार को भी कांग्रेस और राजद को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि राजद के लोग लालटेन लेकर आते थे, केरोसिन बेच देते थे। फिर अंधेरे में डकैती डालते थे। अराजकता पैदा करना इनका जन्मसिद्ध अधिकार है। पशुओं का चारा खाने वाले आपका राशन भी नहीं छोड़ेंगे। यह लोग विकास, गरीब कल्याण की योजनाएं रोक देंगे और फिर से जंगलराज पैदा करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस व राजद के समय में बिहार में 60 से अधिक जातीय नरसंहार हुए थे। अपहरण की 30 हजार से अधिक घटनाएं हुईं। व्यापारी, इंजीनियर, चिकित्सक, बेटियों का लगातार अपहरण होता था। सरकार कार्रवाई की बजाय अपहरणकर्ताओं के सामने नतमस्तक होकर मध्यस्थता की बात करती थी। महागठबंधन में हिम्मत नहीं है कि अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य कर सके। यूपी को देखें, जब वहां माफिया की छाती पर बुलडोजर गड़गड़ाकर चलता है तो उनके आका भी थर–थर कांपते हैं। कांग्रेस, राजद

व इनके पार्टनर आमजन की आस्था का अपमान करते हैं, दंगाइयों को प्रश्रय देते हैं, व्यापारियों का सरेआम अपहरण करने वालों और खानदानी माफिया को गले से लगाते हैं। इनकी संवेदना गरीबों के प्रति नहीं, बल्कि माफिया–गुंडों के प्रति है। सीएम योगी ने लौरिया के विधायक, भाजपा प्रत्याशी व भोजपुरी कलाकार विनय बिहारी के पक्ष में शुक्रवार को जनसभा की और उन्हें फिर से विधानसभा में भेजने की अपील की।सीएम योगी ने मतदाताओं को चेताया कि राजद और कांग्रेस वाले बहकाने आएंगे। जब यह 15 वर्ष सत्ता में थे तो नौजवानों को ठगते थे। नौकरी के बहाने उनकी जमीन हड़प डाली थी। अपहरण उद्योग बन चुका था। नया उद्योग नहीं लगता था। नीतीश कुमार के नेतृत्व में अपहरण उद्योग बंद हुआ। गुंडागर्दी रोकने पर प्रभावी कदम उठाए गए। विकास कार्यों को तेजी से बढ़ाया गया। अब नए भारत का नया बिहार है। जब बिहार समृद्ध होता है तो भारत समृद्ध होता है। सीएम ने स्वर्णिम बिहार के लिए एनडीए प्रत्याशी को जिताने की अपील की।सीएम योगी ने लोगों से अपील की कि जिन्होंने 2005 के पहले बिहार के जंगलराज, अराजकता, गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार को देखा है, वे वर्तमान पीढ़ी को भी बताएं। अब लालटेन का समय नहीं है। बिहार पीएम मोदी के मार्गदर्शन व नीतीश बाबू के नेतृत्व में एलईडी की दूधिया रोशनी में सुशासन की सुदृढ़ नींव बनाने की ओर अग्रसर हुआ है। एनडीए ने पिछले 20 वर्ष राजद व कांग्रेस के पापों के गड्ढों को भरने, अराजकता–भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने व सुशासन की आधारशिला को सुदृढ़ करने में लगाया।

टेंपो ट्रैवलर खाई में गिरा, चालक ने कूदकर बचाई जान

विकासनगर। चकराता थाना क्षेत्र के कांडी धार में एक टेंपो ट्रैवलर वाहन के अनाचक ब्रेक फेल हो गए। जिससे वाहन करीब चार सौ मीटर नीचे खाई में गिर गया। वाहन में केवल चालक ही था, जिसने वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। हादसे में वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। चकराता थानाध्यक्ष चंद्रशेखर नौटियाल ने बताया कि शुक्रवार को सुबह एक व्यक्ति का फोन आया। बताया कि उसकी गाड़ी कांडी धार के पास नीचे खाई में गिर गई है। सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। जहां चालक जितेंद्र पुत्र दासी दास, निवासी क्वारना चकराता मिला। उसने बताया कि उनके वाहन का अचानक ब्रेक फेल हो गया। जिसके कारण वाहन खाई में गिर गया। उसने बताया कि वाहन गिरने से पहले ही उसने कूदकर अपनी जान बचा ली। बताया कि वाहन में उसके अलावा कोई और सवारी नहीं था। थानाध्यक्ष ने बताया कि दुर्घटना के अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है।

उत्तराखंड में सर्दियों में खड़ा होगा बिजली संकट

देहरादून। विद्युत नियामक आयोग के आदेश ने बढ़ाया यूपीसीएल का बिजली संकट शॉर्ट टर्म बिजली खरीद की मंजूरी नहीं, अब मिड टर्म एग्रीमेंट पर भी फंसा पेंच देहरादून, मुख्य संवाददाता। उत्तराखंड में इस बार सर्दियों में बिजली का संकट खड़ा होना तय है। उत्तराखंड को इस बार केंद्र से बिजली का अतिरिक्त कोटा आवंटित नहीं हुआ है। ऊपर से 500 मेगावाट थर्मल पावर खरीद को भी उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने उलझा दिया है। आयोग ने ऐसा आदेश कर दिया है, जिससे अब यूपीसीएल के लिए 500 मेगावाट थर्मल पावर का करार करना आसान न होगा। आयोग ने शॉर्ट टर्म बिजली खरीद को प्रतिबंधित कर रखा है। अब मिड टर्म और लांग टर्म पावर परचेज में भी पेंच फंसा दिया है। यूपीसीएल के लिए सर्दियों का समय बेहद संवेदनशील रहता है। इस समय यूजेवीएनएल के पावर प्लांट से बिजली उत्पादन न्यूनतम छह से आठ मिलियन यूनिट तक पहुंच जाता है। जबकि पीक टाइम में यही उत्पादन 26 एमयू तक रहता है। इस तरह सर्दियों में 20 एमयू बिजली राज्य स्तर पर ही शॉर्ट रहती है। इसकी भरपाई केंद्र के कोटे और बाजार से की जाती है। इस बार 30 सितंबर को

केंद्र का अतिरिक्त कोटा खत्म होने के बाद बढ़ा नहीं है। ऐसे में पूरा दारोमदार 2029 तक के लिए खरीदी जाने वाली 500 मेगावाट थर्मल पावर पर ही था। इस पावर को लेकर आयोग स्तर पर जो आदेश हुआ है, वो बेहद चौंकाने वाला है। आयोग ने इतने प्रतिबंध के साथ मंजूरी दी है, जो एक तरह से प्रस्ताव खारिज करने के समान ही है। आयोग ने न बिजली खरीद की मात्रा और न ही रेट फिक्स किया। उल्टा प्रतिबंध लगा दिया है कि यदि यूपीसीएल खरीदी हुई बिजली का इस्तेमाल नहीं कर पाता है, तो वो उसे सरेंडर नहीं कर सकेगा। न ही उसे बाजार में बेच सकेगा। इससे यूपीसीएल पर जो भी वित्तीय भार पड़ेगा, उसे वो सालाना टैरिफ में शामिल भी नहीं करवा सकेगा। आयोग के इस ताजा आदेश से यूपीसीएल में हड़कंप मचा हुआ है। एमडी यूपीसीएल अनिल कुमार ने बताया कि आयोग के फैसले का परीक्षण किया जा रहा है। सभी पहलुओं की पड़ताल के बाद आगे प्रक्रिया बढ़ाई जाएगी। पूरा प्रयास किया जाएगा कि आम जनता को किसी भी तरह सर्दियों में बिजली संकट का सामना न करना पड़े। बिजली जुटाने में छूटेंगे पसीने आयोग के ताजा आदेश के बाद बदले हालात में यूपीसीएल के लिए सर्दियों में बिजली जुटाना आसान न होगा। आयोग के रवैये ने यूपीसीएल को बुरी तरह उलझा दिया है। यूपीसीएल शॉर्ट टर्म पावर परचेज कर नहीं सकता और मिड टर्म, लांग टर्म के प्रस्ताव को आयोग मंजूरी दे नहीं रहा है। राज्य का अपना बिजली उत्पादन इस लायक है नहीं की मांग पूरी कर सके। ऐसे में सर्दियों में यूपीसीएल के पसीने छूटने तय हैं। महंगी गैस पावर को दी थी 25 साल की मंजूरी मिड टर्म और लांग टर्म पावर परचेज एग्रीमेंट पर पेंच फंसाने वाला विद्युत नियामक आयोग खुद 2014 में महंगी गैस पावर खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दे चुका है।

उत्तराखंड के 1469 किमी. मार्ग डबल लेन में बदले जाएंगे: महाराज

देहरादून। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप लोक निर्माण विभाग राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2000 राज्य गठन के समय प्रदेश में सड़कों की कुल लम्बाई 15,470 किमी० थी, जो कि इन 25 वर्षों में बढ़कर 43,765 किमी हो चुकी है। अगले 25 वर्षों में हमारा लक्ष्य अमृतसर–कोलकत्ता औद्योगिक गलियारे के तहत 10.60 किलोमीटर नगला–किच्छा मार्ग को दो लाइन से चार लाइन में परिवर्तित करने करने के साथ–साथ कई बड़ी परियोजनाओं पर काम करने का है ताकि 2047 तक उत्तराखंड विकसित राज्य की श्रेणी में आ सके। उक्त बात प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड की रजत जयंती पर विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कही। उन्होंने कहा कि राज्य में 5700 किलोमीटर कच्चे मार्गों को पक्के मोटर मार्गा में परिवर्तित किया जाएगा और

राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत 1469 किलोमीटर सिंगल लेन मार्गों को डबल लाइन में परिवर्तित किया जाएगा। इसके अलावा दुर्गम स्थानों में मार्ग की दूरी कम करने एवं संवेदनशील स्थलों के बाईपास हेतु टनल्स का निर्माण, रज्जू मार्गा का निर्माण और भूमिगत गलियारे आदि का निर्माण भी किया जाएगा। अगले 25 वर्षा में हल्द्वानी बाईपास, खटीमा बाईपास, काठगोदाम बाईपास, आशारोड़ी–आईएसबीटी–मोहकमपुर, देहरादून देहरादून बाई पास, लोहाघाट बाईपास, पिथौरागढ़ बाईपास, अल्मोड़ा बाईपास, ऋषिकेश बाईपास, गैरसैंण बाईपास, कर्णप्रयाग बाईपास, गोपेश्वर बाईपास, अगस्तमुनि बाईपास, पौड़ी बाईपास, श्रीनगर बाईपास, आदि बद्री बाईपास, रामनगर बाईपास, कोटद्वार बाईपास, हरिद्वार बाईपास फेज–सस, लाल कुआं–हल्द्वानी–काठगोदाम बाईपास, पंतनगर बाईपासों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। लोक निर्माण विभाग विजन–2050 के लिए एक ठोस कार्य योजना पर काम कर रहा है। इसके तहत मानसखण्ड मंदिर माला परियोजना के तहत चारधाम की तर्ज पर कुमाऊं के 16 प्राचीन मन्दिरों को जोड़ने वाली सड़कों का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण किया जाएगा जिससे इस क्षेत्र में भी पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सेतुओं के उन्नयन हेतु ए०डी०बी० की सहायता से राज्य के 460 पुराने क्लास–बी लोडिंग पुलों को आधुनिक और भारी वाहनों के लिए उपयुक्त क्लास–ए में अपग्रेड किया जाएगा। राजमार्गों के विस्तारीकरण के तहत 1469 किलोमीटर सिंगल लेन राष्ट्रीय राजमार्ग को दो लेन में बदला जायेगा और खैरना–रानीखेत–रामनगर जैसे महत्वपूर्ण राज्य राजमार्गों का चौड़ीकरण भी किया जाएगा।

बिहार में बंपर वोटिंग से चिराग पासवान खुश, बोले—सरकार एनडीए की ही बनेगी

पटना , बिहार में 121 सीटों पर गुरुवार को हुई बंपर वोटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वोट चोरी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अब 14 नवंबर को ईवीएम का जिन्न बाहर जरूर निकलेगा और मजबूती के साथ बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि जो कोई भी बिहार की राजनीति को समझता है, उसने देखा है कि केंद्र और राज्य सरकार ने पूरी ईमानदारी और मजबूती के साथ चुनाव लड़ा है। अभी तो पहले चरण का मतदान हुआ, जिसमें जनता ने इतिहास रचा है, दूसरे चरण में भी ऐसा ही देखने को मिलेगा। एनडीए गठबंधन मजबूती के साथ चुनाव प्रचार कर रहा है और मुझे पूर्ण उम्मीद है कि हम लोग 14 नवंबर को भारी बहुमत से सरकार बनाएंगे। चिराग ने कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार बन रही है, इसमें कोई संदेह नहीं है। 14 नवंबर को एनडीए फिर से सरकार बना रही है। बंपर वोटिंग को लेकर चिराग पासवान ने कहा कि जो लोग ये दावे कर रहे हैं कि वोटिंग ज्यादा हुई तो यह बदलाव होने जा रहा है तो उन्हें मैं 2010 की याद दिलाना चाहता हूं।

भगवान तुंगनाथ की डोली दूसरे पैदल पड़ाव भनकुन पहुंची

रुद्रप्रयाग। तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ की डोली शुक्रवार देर सांय दूसरे पैदल पड़ाव भनकुन पहुंच गई है। इस मौके पर भक्तों ने भगवान की चल विग्रह डोली पर पुष्प वर्षा की और जयघाषों के साथ भव्य स्वागत किया। इससे पहले सुबह चोपता में भगवान की डोली का विधिवत पूजा अर्चना की गई। सुबह 8 बजे पूजा अर्चना के डोली ने चोपता से भनकुन के लिए प्रस्थान किया। बड़ी संख्या में भक्तों के साथ डोली बनियाकुंड, दुगलविट्टा होते हुए भनकुन पहुंची। अनेक स्थानों पर स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटक भी भगवान तुंगनाथ की डोली का भव्य स्वागत कर रहे हैं। दुगलविट्टा में डोली का जोरदार स्वागत किया।

बड़ी संख्या में स्थानीय भक्तों ने डोली पर पुष्प वर्षा की। जबकि देर सांय डोली दूसरे पैदल पड़ाव भनकुन पहुंची।

रात को भगवान की पूजा अर्चना कर आरती उतारी गई। शुक्रवार को डोली के भनकुन पहुंचने पर लोगों ने जय बाबा तुंगनाथ के जयघोष लगाए और डोली का स्वागत किया। शनिवार को डोली अपने शीतकालीन गद्दीस्थल मर्कटेश्वर मंदिर मक्कूमठ पहुंचेगी। जहां विधिवत पूजा अर्चना के साथ भगवान मंदिर में विराजमान होंगे।

फर्जी डिग्री रैकेट मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, 16 ठिकानों पर छापेमारी

लखनऊ,प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की लखनऊ जोन टीम ने उत्तर प्रदेश के हापुड़ स्थित मोनाड यूनिवर्सिटी से जुड़े फर्जी डिग्री रैकेट मामले में बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने इस मामले में कुल 16 ठिकानों पर छापेमारी की है, जिसमें यूनिवर्सिटी का मुख्य परिसर और उन्नाव स्थित सरस्वती मेडिकल कॉलेज भी शामिल है। यह मामला लंबे समय से जांच एजेंसियों की निगरानी में था, क्योंकि इस रैकेट से हजारों छात्रों के भविष्य पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इस मामले के मुख्य आरोपी विजेंद्र सिंह उर्फ हुड्डा फिलहाल जेल में है। वह एक राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति है और 2024 के लोकसभा चुनाव में बिजनौर से बीएसपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, जहां उसे 2.18 लाख वोट मिले

थे और वह तीसरे स्थान पर रहा था। जांच एजेंसियों के अनुसार, विजेंद्र सिंह और उनके सहयोगियों पर आरोप है कि उन्होंने मोनाड यूनिवर्सिटी के नाम पर बड़े पैमाने पर फर्जी डिग्रियों का खेल चलाया, जिसमें कई राज्यों के छात्र शामिल हो सकते हैं। ईडी की वर्तमान कार्रवाई में जिन 16 ठिकानों को कवर किया गया है, उनमें मोनाड यूनिवर्सिटी, हापुड़ का मुख्य परिसर, सरस्वती मेडिकल कॉलेज (उन्नाव) और मुख्य आरोपी के अलावा अन्य संबंधित व्यक्तियों के कई आवासीय और व्यावसायिक पते शामिल हैं। इनमें से अधिकतर आरोपी पहले ही पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जा चुके हैं और कई पर चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। ईडी अब इस पूरे नेटवर्क की मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध फंडिंग की दिशा में जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान जांच टीमें यूनिवर्सिटी के रिकॉर्ड, एडमिशन से जुड़े दस्तावेज, फीस से संबंधित लेनदेन, डिजिटल डाटा और अन्य अहम कागजों की जांच कर रही है।

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस, ईडी की चार्जशीट पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली ,नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में कोर्ट 29 नवंबर को अपना फैसला सुनाएगी। इससे पहले, 30 अक्टूबर को अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा था। इस मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत अन्य को आरोपी बनाया गया है। यह मामला 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत से शुरू हुआ था, जिसमें आरोप लगाया गया कि कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड अखबार की मूल प्रकाशक कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्तियों को अनुचित तरीके से हथियाने की साजिश रची। अप्रैल 2025 में ईडी ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, यंग इंडियन लिमिटेड और डॉटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को आरोपी बनाया गया था।

वंदे मातरम हमें प्रेरणा देता है आजादी की रक्षा कैसे करें

पीएम मोदी ने किया स्मरणोत्सव का उद्घाटन

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के वर्ष भर चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 7 नवंबर 2025 का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज हम वंदे मातरम के 150वें वर्ष का महाउत्सव मना रहे हैं। यह पुण्य अवसर हमें नई प्रेरणा देगा और कोटि–कोटि देशवासियों को नई ऊर्जा से भर देगा। इस दिन को इतिहास की तारीख में अंकित करने के लिए आज वंदे मातरम पर एक विशेष सिक्का और डाक टिकट भी जारी किए गए हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने देश के लाखों महापुरुषों और

मां भारती की संतानों को 'वंदे मातरम के लिए जीवन खपाने के लिए श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम, ये शब्द एक मंत्र है, एक ऊर्जा है, एक स्वप्न है और एक संकल्प है। वंदे मातरम, ये शब्द मां भारती की साधना है, मां भारती की आराधना है। वंदे मातरम, ये शब्द हमें इतिहास में ले जाता है, ये हमारे वर्तमान को नए आत्मविश्वास से भर देता है और हमारे भविष्य को ये नया हौसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धि न हो सके, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे हम भारतवासी पा न सकें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुलामी के उस कालखंड में वंदे मातरम इस संकल्प का उद्घोष बन गया था कि भारत की आजादी का, मां भारती के हाथों से गुलामी की बेड़ियां टूटेंगी। उसकी संतानें स्वयं अपने भाग्य की विधाता बनेंगी। वंदे मातरम आजादी के परवानों का तराना होने के साथ ही इस बात की भी प्रेरणा देता है कि हमें इस आजादी की रक्षा कैसे करनी है।

पच्चीस वर्ष-चिंतन एवं आत्म मंथन का समय

सम्पादकीय

गुमनाम लोक कलाकार

उत्तराखंड अपना राज्य स्थापना 25वां वर्ष मना रहा है और यह वाकई एक बड़ी उपलब्धि है। जिस प्रकार से राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की है उसकी सराहना करनी चाहिए। इसी कड़ी में सरकार द्वारा राज्य के कलाकारों को भी प्रोत्साहित किया गया है जिसके तहत एक बड़ा फैसला लेते हुए वृद्ध एवं अस्वस्थ कलाकारों की पेंशन में 3000 की बढ़ोतरी की गई है जो अब प्रति माह 6000 हो गई है। उत्तराखंड की लोक संस्कृति परंपराओं एवं सभ्यता को आगे बढ़ाने का काम लोक कलाकार करते हैं लेकिन विडंबना यह है कि अधिकांश कलाकार बदहाली एवं सुविधाओं के अभाव की जिंदगी जी रहे हैं। क्षेत्रीय कला को जिंदा रखने के बावजूद भी वह अपनी जीविकोपार्जन को लेकर आश्वस्त नहीं है, हालांकि पूरे देश में सरकार लोक कला कारों को प्रोत्साहित करने के लिए एक निश्चित धनराशि उपलब्ध कराती है। इस महंगाई के दौर में राज्य सरकारों द्वारा दी जाने वाली पेंशन "उंट के मुंह में जीरे के समान" है लेकिन उत्तराखंड सरकार ने निश्चित तौर पर इस दिशा में एक बड़ा फैसला लेते हुए ऐसे कलाकार जो की काफी वृद्ध हो चुके हैं और स्वास्थ्य कारणों से जीवन यापन करने में असमर्थ हैं उन्हें दुगनी पेंशन देने का फैसला किया गया है। यही नहीं उत्तराखंड स्थापना दिवस की रजत जयंती उत्सव के अवसर पर कई बड़े निर्णय भी राज्य सरकार द्वारा लिए गए हैं जो आने वाले वर्षों में प्रदेश को एक अलग दिशा प्रदान करेंगे। 25 वर्ष पूर्व "उत्तरांचल" नाम से उत्तर प्रदेश से पृथक हुए राज्य का गठन हुआ था जिसे बाद में "उत्तराखंड" किया गया, लेकिन कई लोग आज भी ये मानते हैं कि उत्तराखंड अपने उद्देश्य एवं लक्ष्य से कहीं पीछे रह गया है। उत्तराखंड की लोक संस्कृति को वह पहचान नहीं मिली जिसकी वह हकदार है। गढ़वाली एवं कुमाऊनी बोली को लेकर भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है और कहीं ना कहीं नगरीय विकास के साथ–साथ यह बोलियां लुप्त होती चली जा रही हैं। ऐसी परिस्थितियों से लड़ते हुए ही लोक कलाकार लोक परंपरा एवं सभ्यता को जीवित रखने का काम कर रहे हैं और निश्चित तौर पर इन कलाकारों को प्रोत्साहित करने तथा आर्थिक तौर पर सुदृढ़ बनाने का कार्य राज्य सरकार को करना चाहिए। इस दिशा में ऐसे लोक कलाकारों की खोज करनी चाहिए जो आज भी गुमनामी में खोए हुए हैं लेकिन उनका ज्ञान और कला आजकल प्रदर्शित की जा रही कला से कई अधिक गहन और विस्तृत है। कलाकारों की पेंशन में वृद्धि सरकार का एक सराहनीय कदम है लेकिन इस दिशा में अभी और कार्य करने की जरूरत है ताकि नई पीढ़ी उत्तराखंड की परंपरा सभ्यता एवं संस्कृति को लेकर प्रोत्साहित हो एवं इसे आगे बढ़ने का काम करें।

(डा. अनिल चन्दोला)

शहीदों की शहादत एवं आन्दोलनकारियों के कठिन संघर्ष से जन्मा उत्तराखण्ड राज्य 9 नवम्बर, 2025 को अपनी स्थापना का रजत जयन्ती वर्ष मना रहा है। इस मौके पर सरकारी स्तर पर पूरे राज्य में जश्न का माहौल है। नृत्य–संगीत से लेकर अनेक आयोजन किए जा रहे है। देश और दुनिया को बताया जा रहा है, कि उत्तराखण्ड ने इन 25 वर्षों में कितनी प्रगति कर ली है और आने वाले 25वर्षों में क्या किया जायेगा। सड़के चकाचौंध की जा रही है और रंग–रोगन कर जग–मगाया जा रहा है, लेकिन इन सबके बीच वह आम आदमी कहा है, जिसने एक खुशहाल राज्य का सपना देखा था। उन शहीदों के परिवारों का क्या हाल है, जिन्होंने इस अलग राज्य के लिए अपनी कुर्बानियां दी थी। खटीमा, मसूरी और रामपुर तिराहे के उन अमर शहीदों के परिवारो का क्या हाल है। मसूरी में हुए गोलीकांड में शहीद पुलिस अधिकारी त्रिपाठी के परिवार को कभी किसी ने याद नही किया है। राज्य के इस 25 साल की जयंती पर नमन है, उन शहीदों एवं आंदोलनकारियों को। आन्दोलन के गर्भ से जन्मा यह राज्य आज इन 25 वर्षों में कई क्षेत्रो में तेजी से आगे भी बढा है और देश में कई सूचकांकों में अव्वल भी आया है, लेकिन विकास का पहियां दुरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचने की रफ्तार धीमी है। बुनियादी सुविधाओं का विकास हुआ है, लेकिन मानव संसाधन के विकास में अभी वह गति नहीं है जो अपेक्षित थी।

उत्तराखण्ड अपने इस रजत जयन्ती वर्ष भविष्य की सपनों की उंची उडान के लिए अग्रसर है। विकास के इस कालखंड में उत्तराखण्ड कर्ज के बोज से भी दबा हुआ है। विकास के लिए कर्ज भी अवश्यक होता है, लेकिन वित्तीय सन्तुलन बनाए रखना और गैर योजनागत खर्चो को कम करना सबसे बड़ी चुनौती है। राज्य गठन के समय प्रदेश की वार्षिक योजना का आकार जो 1000–1200 करोड़ रुपये था, आज वह 1,01,175,53 करोड़ रुपये तक जा पंहुचा है। मतलब यह है कि राज्य के विकास के लिए धन की कमी नहीं है और केंद्रीय सहायता से भी इन वर्षों में अनेक राष्ट्रीय महत्व की परियोजनायें आगे बढ़ी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, महिला सशक्तिकरण, कृषि, पर्यटन आदि क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है। चारधाम परियोजना, ऋषिकेश, कर्णप्रयाग रेल लाइन, आल वेदर रोड़, हवाई कनेक्टिविटी के क्षेत्र में राज्य तेजी से आगे बढ़ा है। सीमान्त क्षेत्रों तक सड़क कनेक्टीविटी के साथ आधारभूत सविधाओं को मजबूती मिली है। चारधामों को सुव्यवस्थित रूप से विकसित करने के साथ नये पर्यटन सर्किट भी विकसित किए गए है। उत्तर-खण्ड की ब्राडिंग करने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। देश–दुनिया में अब उत्तराखण्ड एक डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित हो गया है।

अलग राज्य की लड़ाई अपनी अस्मिता और रोजगार के लिए ही लड़ी गई थी। उत्तर–प्रदेश द्वारा तत्समय वर्ष 1994 में लागू किए गए आरक्षण के फलस्रूप इस पर्वतीय प्रदेश में आरक्षण के विरोध का यह आन्दोलन अलग राज्य के आन्दोलन में बदल गया था। विश्व में

अपनी तरह के इस अनूठे आन्दोलन के चलते इस राज्य की स्थापना हुयी थी, लेकिन जिस आन्दोलन ने अपने युवाओं के लिए रोजगार की कल्पना की थी। राज्य बनने के पश्चात पहला दाग ही पटवारी भर्ती प्रकरण पर लग गया, जिसमें पहली बार एक जिला अधिकारी को निलंबित होना पड़ा। परीक्षाओं की शुचिता इस राज्य में इस कालखंड में लगातार भंग होती चली गई और पहली बार पेपर लीक जैसे मामलो में भी सीबीआई जांच तक जा पहुंची। इन सब प्रकरणों में राज्य का युवा अपने को छला हुआ महसूस कर रहा है और परीक्षाएं लगातार मजाक बनती चली गई है। हालांकि सरकार का दावा है कि इन 5 वर्षों में 26 हजार युवाओं को सरकारी रोजगार दिया गया है। ऐसा ही दावा पूर्ववर्ती सरकारो द्वारा भी किया जाता रहा है। इन वर्षों में उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के लिए अनेक संस्थान, कालेज खुले, चिकित्सा के क्षेत्र में मेडिकल कालेज खोले गए, लेकिन अभी भीं बहुत कुछ किया जाना बाकी है। शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे प्रयास किए जाने होंगे, जिससे गुणवत्तापरक मानव संसाधन विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। देवभूभि को ज्ञान भूमि बनाने के लिए ढांचों की नहीं विशेषज्ञतायुक्त शिक्षा और शिक्षकों की आवश्यकता है, जो शायद सरकार के आगामी योजनाओं के ब्ल्यू प्रिंट में हो।

इस कालखंड में राजनीति की बात न की जाए, तो बेईमानी होगी। राजनीतिक आस्थिरता का दौर भी समय ने देखा और उत्तराखण्ड में पहली बार राष्ट्रपति शासन का अनुभव भी देखा। यहां हमेशा दो दलों की सरकार रही, जो अपने हाईकमान के इषारों पर चलती रही। तीसरे मोर्चे पर क्षेत्रीय दलों ने अपनी पूरी जोर आजमाइस की किन्तु संसाधनों के अभाव, संगठन की कमजोरी के चलते वह अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज नहीं कर पाई। बसपा जरूर इस कालखंड में प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों में अपना आधार बनाने में सफल हुयी थी।

रजत जयंती वर्ष में गैरसैण का जिक्र किया जाना जरूरी है, क्योंकि इन 25 वर्शों में राजनीति के केन्द्र में गैरसैंण रहा है, लेकिन इसके बाद भी गैरसैंण हमेशा गैर ही बना रहा। ग्रीष्मकालीन राजधानी के तमगे से यह कभी आगे नहीं बढ़ पाया, हालांकि राज्य की एक विधान सभा को भराड़ीसैण्ड (गैरसैंण) में बनाई गई, जो करोड़ों रूपये खर्च कर साल में एक दो बार एक–दो दिन के सत्र की शोभा बढाती है। इस गरीब प्रदेश की एक शानदार विधान सभा भवन कर्णप्रयाग तक रेल लाइन पहुंच जाने के बाद शायद गैरसैंण के दिन भी आ जाए। गढ़वाल–कुमाऊं को जोड़ने वाला और वीरचन्द्र सिंह गढ़वाली की दूधातोली क्षेत्र को विकास के पंख लग जाए। गौचर हवाई पट्टी के सक्रिय होने से जिसका वर्षो से इंतजार है। इस पर्वतीय क्षेत्र का कायाकल्प हो जाए यह भी समय तय करेगा। झारखण्ड, छत्तीसगढ़ के साथ गठित उत्तराखण्ड अपनी यात्रा के 25वर्ष पूरे कर रहा है। इस कालखंड में अनेक नेताओं ने इसे नेतृत्व दिया। यह तो जनता का पैमाना है कि वे किस नेता को कितने नम्बर देते है या फिर हिमाचल की तरह यहां भी कोई डॉ. वाई एस. परमार दूढ़ते है। आज प्रदेश में युवा और बेरोजगार अपने भविष्य के लिए चिंतित है। रोजगार के लिए यहां से तेजी से पलायन हुआ है। गांव खाली हो रहे है। कुछ मैदानी क्षेत्रों में विकास तेजी से हुआ है, लेकिन गांव के लोग आज भी स्वास्थ्य सुविधाओं की समस्याओं से जूझ रहे है। जंगली जानवरों से फसलो को नुकसान बहुत व्यापक पैमाने पर हो रहा है, इसके साथ ही लगातार आ रही प्राकृतिक आपदाओं का भी सामना करना पड़ रहा है, जो काफी हद तक मानव जनित है, से पहाड़ का जनजीवन अस्त–व्यस्त हो जाता है। इन वषी में लोगों के चेहरे पर मुस्कान तो आई है, कि अपना राज्य है, हमारी सुनवाई अब आसान हो गई है। शासन–प्रशासन तेजी से जनता तक पहुंच जाता है, लेकिन आम मतदाता के विश्वास को मजबूत करना होगा, उसको विश्वास दिलाना होगा कि शहीदों के सपनो के अनुरूप काम किया जा रहा है। युवाओ को रोजगार–स्वरोजगार के लिए पूरी सहायत मार्गदर्शन देना होगा। इस पर्वतीय राज्य की अवधारण को मजबूत करना होगा, तभी इस रजत जयंती वर्ष के इस समारोह से वह आनंन्दित होगा, सहभागी होगा और विकास के पहिए को आगे खींचेगा।

बिहार में चुनाव वास्तविक मुद्दों पर लड़ा जाएगा

हरिशंकर व्यास

शिक्षा, स्वास्थ्य, पलायन, रोजगार आदि की बातें उन्होंने लोगों के दिल दिमाग में बैठाई थी। लेकिन पिछले तीन महीने में पूरा चुनाव घूम फिर कर मुफ्त की चीजों, सेवाओं के साथ साथ जाति, धर्म, घुसपैठिया और इसी तरह के कुछ अन्य भावनात्मक मुद्दों पर सिमट गया है। असल में पिछले 20 वर्षों में या उससे पहले लालू प्रसाद व राबड़ी देवी के शासन के 15 वर्षों को जोड़ लें तो पिछले 35 साल की मंडल की राजनीति में बिहार में बुनियादी रूप से कुछ नहीं बदला है।

इस बार ऐसा लग रहा था बिहार में चुनाव वास्तविक मुद्दों पर लड़ा जाएगा। विकास से जुड़े बुनियादी सवाल उठेंगे क्योंकि प्रशांत किशोर ने दो साल की पदयात्रा से लोगों को जागृत किया था। लोगों को ललकारा था कि वे अपने बच्चों के चेहरे देख कर वोट करें। प्रशांत ने मुस्लिम बस्तियों में जाकर उनको ललकारा कि वे भाजपा के भय से राजद और कांग्रेस का बंधुआ बने रहेंगे तो उसी दुर्दशा की हालत में रहेंगे, जिसमें अभी हैं। यादवों को भी ललकारा कि वे कब तक जाति के नाम पर लालू परिवार की गुलामी करेंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य, पलायन, रोजगार आदि की बातें उन्होंने लोगों के दिल दिमाग में बैठाई थी। लेकिन पिछले तीन महीने में पूरा चुनाव घूम फिर कर मुफ्त की चीजों, सेवाओं के साथ साथ जाति, धर्म, घुसपैठिया और इसी तरह के कुछ अन्य भावनात्मक मुद्दों पर सिमट गया है। असल में पिछले 20 वर्षों में या उससे पहले लालू प्रसाद व राबड़ी देवी के शासन के 15 वर्षों को जोड़ लें तो पिछले 35 साल की मंडल की राजनीति में बिहार में बुनियादी रूप से कुछ नहीं बदला है। विकास की सबसे बुनियादी कसौटी बीएसपी यानी बिजली, सड़क और पानी के अलावा बिहार में कुछ नहीं हुआ। एनडीए के नेता जिसे जंगल राज बताते हैं उस समय जो फैक्टरियां बंद हुईं वह नीतीश के 20 साल के राज में चालू नहीं हो सकीं। जो स्कूल बंद हुए या कॉलेजों की हालत जर्जर हुई, अच्छे शिक्षकों और डॉक्टरों की कमी हुई वह अब भी बनी हुई है। अस्पताल और मेडिकल कॉलेज नहीं खुल रहे हैं। डेढ़ दशक पहले मंजूर हुए केंद्रीय विश्वविद्यालयों के भवन अभी तक नहीं बन पाए हैं।अगर लालू प्रसाद के राज में अपहरण उद्योग की कहानियां अमेरिका की पत्रिकाओं में छपती थीं तो आज जमीन, बालू और शराब के कारोबार की कहानियां प्रचलन में हैं। झारखंड का बंटवारा हुआ था तो कहा गया था बिहार में सिर्फ लालू और बालू बचे हैं। 25 साल बाद भी यह हकीकत है कि लालू हैं और बालू है। बालू के अवैध कारोबार से राजनेता और अपराधी दोनों पल रहे हैं। नीतीश कुमार ने 2016 में शराबबंदी की और उसके बाद पिछले नौ साल में अवैध शराब का कारोबार इतना फला फूला है कि बिहार में एक समानांतर अर्थव्यवस्था बन गई है। शराब के कारोबार और सिंडिकेट को बचाने के लिए अपराधी गिरोहों में खूनखराबा है। शराब और बालू के पैसे के निवेश का एकमात्र रास्ता जमीन की खरीद है। सो, जमीन के दाम अनापशनाप बढ़े हैं और उसके साथ ही जमीन विवाद से जुड़े आपराधिक मामले भी।उद्योग के नाम पर इथेनॉल की कुछ फैक्टरियां लगी हैं। नीतीश के 20 साल के राज के बाद पहली बार उद्योग और निवेश की नीति आई है। पहली बार निजी निवेश की कुछ परियोजनाएं बिहार में आने की चर्चा है। इसका असर आने वाले सालों में क्या होता है यह देखने वाली बात होगी। अभी स्थिति यह है कि पहले की तरह ही लोग अवसर की तलाश में बिहार छोड़ कर देश भर के राज्यों में जा रहे हैं। जो सक्षम हैं वे अपने बच्चों को पढ़ने के लिए दूसरे राज्यों में भेज रहे हैं और जो सक्षम नहीं हैं उनके अनपढ़ या प्राथमिक शिक्षा लिए बच्चे देश भर में मजदूरी कर रहे हैं और होली, दिवाली, छठ पर भेड़ बकरियों की तरह ट्रेनों में लद कर बिहार जा रहे हैं। बिहार एक समय आईएएस, आईपीएस की फैक्टरी कहा जाता था। लेकिन उस फैक्टरी के बंद हुए दशकों हो गए। अभी रिटायर हो रहे भारत सरकार के सचिवों की बड़ी जमात बिहार के लोगों की है, जिन्होंने पटना साइंस कॉलेज, पटना वीमेंस कॉलेज, एएन या बीएन कॉलेज से पढ़ाई की है। लेकिन अब इन कॉलेजों की हालत ऐसी है कि न पढ़ने वाले हैं और न पढ़ाने वाले। चाहे लालू प्रसाद का राज रहा या नीतीश कुमार का दोनों सामाजिक समीकरण साध कर चुनाव जीतने की राजनीति करते रहे।

अल्पकालिक युद्धविराम

ट्रंप– शी वार्ता में मलेशिया में बनी सहमतियों पर दस्तखत हो जाते हैं। ऐसा हुआ, तो अमेरिका और चीन के अलावा बाकी दुनिया को भी राहत मिलेगी। मगर जो हालात हैं, उनके बीच यह करार भी एक अल्पकालिक युद्धविराम ही होगा।

दुनिया नजरें गुरुवार को दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू शहर पर होंगी, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता प्रस्तावित है। राष्ट्रपति के दूसरे कार्यकाल में ट्रंप की शी के साथ यह पहली मुलाकात होगी, जिसके लिए वे खासे उतावले नजर आए हैं। यह उतावलापन कुछ तो उनकी ट्रॉन्गमैन पॉलिटिक्स के कारण है, जिसके तहत उन्हें ताकतवर नेताओं से मिलने में खास संतोष मिलता है। इस बात की ताजा मिसाल उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग–उन से मिलने की उनकी दिलचस्पी है।

बहरहाल, शी के साथ मुलाकात सिर्फ मिलना भर नहीं है, बल्कि उनसे होने वाली बातचीत पर काफी कुछ दांव पर लगा हुआ है। गुजरे एक महीने में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध और तेज हुआ है, जिसके तहत चीन ने रेयर अर्थ सामग्रियों के निर्यात को नियंत्रित कर अमेरिका में रक्षा सहित अन्य उद्योगों के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी कर दी है। इसके पहले वह अमेरिका से सोयाबीन एवं अन्य कृषि उत्पादों का आयात रोक चुका है, जिससे अमेरिकी किसान मुसीबत में बताए जाते हैं। खबरों के मुताबिक मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका और चीन के बीच हुई व्यापार वार्ता में इन तमाम मुद्दों पर कुछ सहमतियां बनी हैं।

इनके तहत चीन रेयर अर्थ के निर्यात और अमेरिकी कृषि उत्पादों के आयात पर कुछ राहत दे सकता है, मगर इसके बदले उसने अमेरिका से अमेरिकी बंदरगाहों पर चीन निर्मित एवं संचालित जहाजों पर लगाए गए अतिरिक्त शुल्क की वापसी पर जोर दिया है। साथ ही उसने चीनी कंपनियों पर पिछले महीने लगाए गए प्रतिबंधों को वापस लेने की मांग की है। ट्रंप– शी वार्ता में इन सहमतियों पर दस्तखत हो जाते हैं। ऐसा हुआ, तो अमेरिका और चीन के अलावा अन्य देशों को भी राहत मिलेगी। मगर जो ठोस हालात हैं, उनके मद्देनजर यह करार भी एक युद्धविराम ही होगा। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार पीपुल्स डेली ने दो टूक कहा है कि दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध में बार–बार विच्छेद और उनका अल्पकालिक समाधान आज की हकीकत है। अमेरिकी विश्लेषक भी इस बात से लगभग सहमत ही हैं।

जटाधारा के भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ से पहले जारी हुआ नया ट्रेलर

जटाधारा के शानदार ट्रेलर रिलीज़ के साथ ही दर्शकों के बीच इसका क्रेज़ आसमान छू चुका है। हालांकि पहले ट्रेलर को जबरदस्त प्यार और प्रतिक्रिया मिलने के बाद, मेकर्स ने फिल्म की भव्य रिलीज़ से दो दिन पहले दूसरा ट्रेलर लॉन्च किया है और इसके साथ एडवांस बुकिंग की शुरुआत भी कर दी है। नया ट्रेलर एक बार फिर इस मेगा स्पेक्टेकल के लिए चर्चा और उत्साह को नई उंचाई पर पहुंचा रहा है। यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत की जा रही है। नए ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन, रोमांच पैदा करने वाले दृश्य, आध्यात्मिकता, पौराणिक नाटक, भावनाओं के साथ सुधीर बाबू का इंटेंस लुक देखने को मिल रहा है, वहीं सोनाक्षी सिन्हा का धना पिशाची अवतार दर्शकों को चौंका रहा है। ट्रेलर यह दिखाता है कि फिल्म का पैमाना कितना भव्य और विशाल है, जिससे साफ झलकता है कि मेकर्स ने इसे सच्चे मायनों में एक बिग स्क्रीन एंटरटेनर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और ट्रेलर का हर फ्रेम यह बात चीख–चीख कर बता रहा है। फिल्म के मुख्य अभिनेता सुधीर बाबू ने कहा, जटाधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक अनुभव है जो कल्पना से भी परे है। जिस पैमाने, दृष्टि और प्रामाणिकता से पूरी टीम ने इस दुनिया को बनाया है, वह असाधारण है। हर फ्रेम में एक जीवंत ऊर्जा महसूस होती है। एक अभिनेता के रूप में इस तरह की आध्यात्मिक और भव्य फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए परिवर्तनकारी रहा है। मुझे यकीन है यह फिल्म दर्शकों को भक्ति और नियति की शक्ति बड़े पर्दे पर महसूस कराएगी।

सुनील छेत्री अब भारतीय टीम के लिए नहीं खेलेंगे, अगले साल पेशेवर फुटबॉल भी छोड़ देंगे

नईदिल्ली,07 नवंबर। भारतीय फुटबॉल टीम के दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री अब भारत के लिए फुटबॉल खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। उन्होंने संन्यास की पुष्टि कर दी है। इस साल उन्होंने एएफसी एशियन कप 2027 के अंतिम दौर के मैचों के लिए चौंकाने वाली वापसी की थी। भारत के सबसे महान खिलाड़ियों में शुमार छेत्री ने पिछले साल जून में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया था, लेकिन पूर्व मुख्य कोच मैनोलो मार्क्वेज के आग्रह पर उन्होंने फिर से मैदान पर वापसी की थी। भारतीय टीम एशिया कप के लिए क्वालीफाई न कर पाने के बाद छेत्री ने तय कर लिया है कि अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से उनका सफर खत्म हो गया है। इसके साथ ही यह भी संभावना है कि 42 वर्षीय यह दिग्गज खिलाड़ी अगले साल पेशेवर फुटबॉल को भी पूरी तरह अलविदा कह दे। हालांकि, इसका फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि बेंगलुरु एफसी का प्रदर्शन आने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) संस्करण में कैसा रहता है। छेत्री ने कहा, अगर हम इसे जीतते हैं तो मुझे क्लब के रंगों में खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उतरने का मौका मिलेगा। 42 की उम्र में यह आसान नहीं है।

बतौर विकेटकीपर सर्वाधिक वनडे शतक जड़ने वाले बल्लेबाज, शीर्ष पर है यह श्रीलंकाई

नईदिल्ली,दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने गुरुवार (6 नवंबर) को पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे वनडे मुकाबले में शानदार शतकीय पारी (123*) खेलते हुए टीम को जीत दिलाई। यह उनके वनडे करियर का 22वां शतक रहा। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज सर्वाधिक शतक जड़ने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। आइए बतौर वनडे प्रारूप में विकेटकीपर के रूप में सर्वाधिक शतक जड़ने वाले बल्लेबाजों पर नजर डालते हैं। वनडे क्रिकेट में बतौर विकेटकीपर सर्वाधिक शतक जड़ने का रिकॉर्ड श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा के नाम दर्ज है। उन्होंने अपने वनडे करियर में बतौर विकेटकीपर 360 मैचों की 340 पारियों में 43.74 की औसत से 13,341 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 23 शतक और 91 अर्धशतक जड़े थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 169 रन का रहा था। उन्होंने पूरे वनडे करियर में 404 मैचों में 14,234 रन बनाए थे, जिसमें 25 शतक और 93 अर्धशतक थे। इस सूची में डिकॉक अब दूसरे पायदान पर आ गए हैं। उन्होंने अपने वनडे करियर में बतौर विकेटकीपर 156 मैचों की 156 पारियों में 46.97 की औसत और 96.79 की स्ट्राइक रेट से 6,953 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 22 शतक के अलावा 31 अर्धशतक भी जड़े हैं।

बॉर्डर 2 से वरुण धवन का फर्स्ट लुक आउट

बॉर्डर नाम अपने आप में देशभक्ति की एक ऐसी भावना है, जो हर हिंदुस्तानी के दिल में धड़कन बढ़ा देता है। पहली फिल्म सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। वो भावनाओं की लहर थी... वो युद्ध का जोश, उस दौर की मिट्टी, और फौजियों की कुर्बानियों का सलाम था। अब उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए बॉर्डर 2 मैदान में उतरने वाली है। उन्होंने पोस्ट को शेयर कर कैप्शन में लिखा, देश के सिपाही पीवीसी होशियार सिंह दहिया, 'बॉर्डर–2इ 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज। बता दें कि मेजर होशियार सिंह दहिया 1957 में जाट रेजिमेंट का हिस्सा थे और 1971 में हुए भारत–पाकिस्तान युद्ध में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बताया जाता है कि पाकिस्तान की एक बटालियन ने मेजर और उनके सिपाहियों पर हमला कर दिया था, लेकिन घायल होने के बाद भी उन्होंने कई शत्रु सैनिकों को अकेले मार गिराया था, लेकिन वे वीरगति को प्राप्त हो गए थे।सनी देओल के बाद अब इस फिल्म से अभिनेता वरुण धवन की पहली झलक सामने आ गई है। पोस्टर में वरुण जोरदार, बेहद गंभीर और एक्शन से भरपूर लुक में दिख रहे हैं।

नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज़ दिल्ली क्राइम का तीसरा सीज़न 13 नवंबर को प्रीमियर होगा

नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपनी लोकप्रिय और बहुचर्चित वेब सीरीज़ दिल्ली क्राइम के तीसरे सीज़न का नया प्रोमो जारी कर दिया हैं। यह नया सीज़न13 नवंबर 2025 को प्रीमियर होगा और एक बार फिर दर्शकों को अपराध, सच्चाई और इंसाफ की खौफनाक लेकिन ज़रूरी कहानी दिखाने वाला है। इस बार कहानी और भी डरावनी और कठोर है। डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी (शेफाली शाह) और उनकी टीम एक भयानक मानव तस्करी के केस कीतहकीकात करती नजर आएगी। यह कहानी वास्तविक बेबी फलक घटना से प्रेरित है, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। ट्रेलर में शेफालीशाह का दृढ़ और भावनात्मक चेहरा दिखता है, जो एक ऐसे ट्रक का सुराग पाती हैं जिसमें लापता बच्चियों की कहानी छिपी है।कहानी की शुरुआत एक छोड़े हुए नवजात बच्चे से होती है, जो पुलिस को खतरनाक और संगठित तस्करी नेटवर्क तक ले जाती है।

ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत: आखिरी टी–20 मुकाबले का प्रीव्यू और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नईदिल्ली, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच 5 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला शनिवार (8 नवंबर) को खेला जाएगा। सीरीज में भारतीय टीम 2–1 से आगे है। चौथे मुकाबले में उसे 48 रन से जीत मिली थी। ऐसे में वह आखिरी मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। ऐसे में आइए मुकाबले का प्रीव्यू और अन्य महत्वपूर्ण बातों पर नजर डाल लेते हैं। टी–20 में दोनों के बीच 36 मैच खेले गए, जिसमें से 22 में भारत और 12 में कंगारू टीम को जीत मिली है। 2 मैच में नतीजा नहीं निकला है। भारत में खेले गए 15 मुकाबलों में 10 में भारत और 5 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया में 16 मुकाबलों में 9 में भारत और 5 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है। तटस्थ स्थान पर 5 मैचों में 3 में भारत और 2 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। ऑस्ट्रेलिया की टीम अंतिम मैच में बिना बदलाव के उतर सकती है। ऑस्ट्रेलिया के स्टार खिलाड़ी मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड और मार्कस स्टोइनिस इस मुकाबले में बेहतर करना चाहेंगे। गेंदबाजी में एडम जैम्पा और नाथन एलिस से काफी उम्मीदें होंगी। ऑस्ट्रेलिया की संभावित एकादशः मिचेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), टिम डेविड, जोश फिलिप, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, बेन ड्वार्शुइस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस और एडम जैम्पा।

लगातार 2 मैच जीत दर्ज कर चुकी भारतीय टीम अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बड़ा बदलाव नहीं करना चाहेगी। हालांकि, टीम के बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मदी होगी। भारतीय टीम के गेंदबाज इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं।

भारत की संभावित एकादशः शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह।

संक्षिप्त समाचार

मंजू जौहरी, अशोक निर्दोष होगें सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : साहित्यिक संस्था साहित्यांचल की ओर से राज्य स्थापना दिवस पर 9 नवंबर को नजीबाबाद रोड़ स्थित एक बारातघर के सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए संस्था अध्यक्ष चंद्रप्रकाश नैथानी ने कहा कि समारोह में कवयित्री मंजू जौहरी और साहित्यकार अशोक निर्दोष को संस्था की ओर से वर्ष 2025 के चंद्रज्योति सम्मान से सम्मानित किया जायेगा।

लोगों को स्वच्छता के लिए किया प्रेरित

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुंठ मेले में स्वच्छता के ब्रांड एंबेसडर डॉ. बीपी नैथानी और हरि सिंह बिष्ट ने स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता प्रत्येक व्यक्ति को अपनानी चाहिए। अपने आसपास गंदगी न करें और न ही गंदगी होने दें। उन्होंने मेले में पहुंचे लोगों को मेले में गंदगी न फैलाने को प्रेरित किया। (एजेंसी)

आज संपन्न होगा स्वास्थ्य शिविर

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर स्थित स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का शनिवार को समापन होगा। शिविर में मेदांता अस्पताल गुरूग्राम हरियाणा द्वारा शुगर, एबीएमडी, ब्ल्ड प्रेशर, ईसीजी आदि का परीक्षण किया जा रहा है। शिविर में कार्डिक फिजिशियन डॉ. सुरेंद्र तनेजा और जलरल फिजिशियन डॉ. कौशिकी आदि सेवाएं दे रहे हैं। (एजेंसी)

स्यालसौड़ में केवी भवन निर्माण को यूकेडी आमरण अनशन पर

रुद्रप्रयाग। बीते 35 दिनों से चन्द्रापुरी के स्यालसौंड में केंद्रीय विद्यालय भवन निर्माण की मांग को लेकर चल रहा यूकेडी एवं स्थानीय लोगों का धरना शुक्रवार को आमरण अनशन में तब्दील हो गया। सुबह विधिवत रामचरित मानस का पाठ करते हुए अन्न और जल त्यागते हुए नैलीकुंड के प्रधान मनोज वैष्णव ने आमरण अनशन शुरू कर दिया है। जबकि अन्य उनके साथ धरने पर बैठे हैं। शुक्रवार को यूकेडी नेता डॉ. आशुतोष भंडारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का धरना 36वें दिन भी जारी है। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने कहा कि इसके बावजूद भी सरकार और प्रशासन मौन बैठा है। जनता की मांग के प्रति उदासीनता बरते जाने से आक्रोशित आंदोलनकारियों के सामूहिक निर्णय के बाद शुक्रवार से अनशन किया गया है। केदारनाथ विस के पूर्व प्रत्याशी डॉ. आशुतोष भंडारी ने बताया कि शुक्रवार से मनोज बैष्णव आमरण अनशन पर बैठे हैं जबकि 9 नवम्बर दोपहर 2 बजे से वे स्वयं आमरण अनशन पर बैठेंगे। कहा कि आमरण अनशन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार उनकी मांगों पर कार्यवाही करते हुए केवि भवन का निर्माण कार्य शुरू नहीं कर देती है। इस दौरान आमरण अनशन शुरू करने से पहले अनशनकारी ने मनोज वैष्णव ने रामायण का पाठ शुरू किया जबकि अन्य आंदोलनकारियों ने भी उनके साथ रामायण का पाठ किया। इस मौके पर यूकेडी जिलाध्यक्ष सूरत सिंह झिंक्वाण, पूर्व शिक्षक शिव सिंह भंडारी, अनिल जगवाण, विक्रम फर्सवाण, राहुल पंवार, हनुमंत बिष्ट, विजेंद्र, अनिल जगवाण आदि मौजूद थे।

प्रशिक्षणार्थियों को बताई बैंकिंग से जुड़ी समस्याएं

चमोली। देहरादून स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के ओंबड्समैन कार्यालय की ओर से प्रौद्योगिकी संस्थान कोठियालसैंण में जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एजीएम अमित राणा ने की। कार्यक्रम में अध्यापकों एवं प्रशिक्षणार्थियों को बैंकिंग से जुड़ी समस्याओं, उनके समाधान की प्रक्रिया, बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड, बैंकिंग सुरक्षा उपायों तथा आरबीआई द्वारा संचालित विभिन्न उपभोक्ता–हितैषी कार्यक्रमों के बारे में से जानकारी दी गई। कहा गया कि आज के समय में जब आम जनता अपनी आय व लेन–देन के लिए बैंकों पर निर्भर है। तकनीकी विकास के साथ ही साइबर फ्रॉड के मामलों में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। ऐसे में जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है।

इस अवसर पर एचडीएफसी बैंक गोपेश्वर के मैनेजर पंकज बिष्ट, प्रौद्योगिकी संस्थान के रजिस्ट्रार संदीप कंडवाल, प्रदीप चंद्रा, मोनिका बर्तवाल, सचिन मलौरा, अरविंद कुमार, हेमंत चौहान (डीन अकादमिक), प्रवेश गैरोला, ओमबीर सैनी, वीना खाती, राजेंद्र प्रसाद, सचिन सती आदि उपस्थित रहे।

स्कूल कैप्टन अमीषा, हेड ब्वाय मनीष और हेड गर्ल बनीं हिमानी

हैप्पी होम स्कूल में किया गया छात्र परिषद का गठन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हैप्पी होम स्कूल में गुरुवार को दोपहर बाद आयोजित अलंकरण समारोह में नवनिर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को पदभार ग्रहण करने के साथ उन्हें दायित्व सौंपे गए। छात्र परिषद में अमीषा राज सिंह स्कूल कैप्टन, मनीष कुमार शर्मा हेड ब्वाय और हिमानी हेड गर्ल को चुना गया। स्कूल प्रांगण में आयोजित समारोह का निदेशिका उषा सिंह की उपस्थिति में उद्घाटन हुआ। इस मौके पर हैप्पी होम स्कूल के छात्र परिषद का गठन किया गया। स्कूल कैप्टन के रूप में अमीषा राज सिंह, हेड बॉय मनीष कुमार शर्मा और हेड गर्ल हिमानी को चुना गया। स्पोर्ट्स कैप्टन मयंक नौडियाल, कल्चरल हेड मांडवी और कल्चरल सेक्रेट्री इशिता मित्तल चुनी हुई। डिसिप्लिन हेड समीक्षा संजय, ब्लू हाउस से प्रियांशु रावत और प्रियांशी नेगी हाउस कैप्टन, रेड हाउस से गौरव खेतवाल और गार्गी रावत, ग्रीन हाउस से मयंक रावत और सृष्टि कुकरेती, येलो हाउस से तनिष्क और श्रेया ठाकुर हाउस कैप्टन बनें। स्कूल प्रीफेक्ट्स के रूप में ब्लू हाउस से खुशी नेगी, शुभांशा परवीन और मोहम्मद तमसी अब्बासी, रेड हाउस से श्रेया कोडेग, रिया और अल्फा, ग्रीन हाउस से तनुज बिष्ट और जस्सी, येलो हाउस से लक्की सोढ़ी, दीक्षा जोशी और अनुष्का झा सदस्य चुने गए। सक्षम, मोहम्मद अयान हुसैन, आस्था, नैना द्विवेदी, निदा अमीन और रितिका को डिसिप्लिन कमेटी का सदस्य चुना गया। प्रधानाचार्य ने नए परिषद् सदस्यों को ईमानदारी, निष्ठा और विनम्रता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने की शपथ दिलाई।

प्रधानाचार्य ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को अपने कार्यों के माध्यम से उदाहरण प्रस्तुत करने, विद्यालय के मूल्यों को बनाए रखने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

भरत महोत्सव 22 नवंबर से, आयोजन समिति गठित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डू समथिंग सोसाइटी की ओर से 22 से 24 नवंबर तक नवें भरत महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। महोत्सव के सफल आयोजन के लिए महोत्सव आयोजन समिति का गठन किया गया। कण्वघाटी स्थित सोसाइटी कार्यालय में आयोजित बैठक में महोत्सव आयोजन समिति का गठन किया गया। समिति में राजेन्द्र प्रसाद पंत को अध्यक्ष, रिपुदमन सिंह व जे.पी ध्यानी को उपाध्यक्ष, डा. मंजू कपरवाण व बीना मित्तल को महिला उपाध्यक्ष, शंकर दत्त गौड व राजेन्द्र बिष्ट को महोत्सव सचिव, रेखा नेगी व डा. अनुराग शर्मा को महोत्सव सह-सचिव, दीपक कुकरेती व शूरवीर खेतवाल को संयोजक, विकास देवरानी, सुनीता नैथानी, कविता रावत व ज्योति कुलाश्री को सह-संयोजक, अशोक जखमोला, सोहन लाल भारद्वाज, देवेन्द्र सिंह बिष्ट व ठाकुर सिंह गुसांई को क्रीड़ा सचिव, नितिश कुमार को सांस्कृतिक सचिव व शशिभूषण अमोली, दिनेश चन्द्र, राहुल कुमार व अरूण असवाल को प्रचार सचिव चुना गया।

सामूहिक सरल कन्या विवाह समारोह 23 नवंबर को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत विकास परिषद् कोटद्वार की शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 23 नवम्बर 2025 को सामूहिक सरल कन्या विवाह समारोह करने का निर्णय लिया गया। बैठक में विवाह समारोह के सम्बन्ध में चर्चा की गई।

बैठक में जानकारी देते हुए संयोजक कैलाश चन्द्र अग्रवाल ने बताया कि आगामी 23 नवम्बर 2025 को सामूहिक सरल कन्या विवाह समारोह स्थान निधिबन वैंकट हॉल के प्राइड मॉल, तड़ियाल चौक, देवी रोड कोटद्वार में प्रातः 10 से किया जायेगा। विवाह समारोह में आर्थिक रूप से कमजोर कन्याओ का विवाह किया जायेगा। उन्होंने कोटद्वार व जिले की जनता से अपील की कि यदि कोई आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति अपनी पुत्री का विवाह करना चाहता है व उसका रिश्ता हो रखा है तो वह आगामी 10 नवम्बर 2025 तक कैलाश चन्द्र अग्रवाल से सम्पर्क कर सकते है। कहा कि शादी के लिए लड़का/ लड़की व माता पिता का आधार कार्ड, लड़का/ लड़की का आयु का प्रमाण पत्र (हाईस्कूल मार्कशीट, प्रमाण पत्र या टी.सी), परिवार रजिस्टर की नकल, पार्षद द्वारा हस्ताक्षरित चरित्र प्रमाण पत्र साथ लाना होगा। ऐसे प्रस्तावों को 10 नवम्बर 2025 तक भारत विकास परिषद कोटद्वार द्वारा आगामी 23 नवम्बर 2025 को होने वाले विवाह समारोह में शामिल कर लिया जायेगा।

थलीसैंण के बाद अब पैठाणी में भालू की दहशत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल में जंगली जानवरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आये दिन जंगली जानवर मनुष्य और मवेशियों पर हमला कर रहे है। भालू अब थलीसैंण के बाद पैठाणी में सक्रिय हो गया। भालू ने पैठाणी रेंज के कोकली गांव में भी एक मवेशी को निवाला बनाया है। विभागीय टीम प्रभावित गांवों में काफी समय से डेरा डाले हुई हैं। भालू की लोकेशन जाने के लिए वन विभाग ने थ्रमल ड्रोन का भी सहारा लिया, लेकिन भालू इसमें भी नहीं दिखाई दिया है।

थलीसैंण के सौंठ, कठ्यूड, कुचौली नौड़ी व मंजरी गांवों में भालू ने एक के बाद 33 मवेशियों को अब तक निवाला बना दिया है। वन विभाग ने सक्रिय भालू को ट्रैक्यूलाइज और मारने के लिए दुबारा भी परमिशन ली हुई है, लेकिन भालू अभी तक वन विभाग की ट्रेक्यूलाइज गन के निशाने पर नहीं आया है। इससे जहां ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है, वही विभाग की भी मुश्किलें बढ़ी हुई है। एक ओर राठ क्षेत्र में सक्रिय भालू का कोई पता नहीं चल पाया तो दूसरी तरफ अब भालू ने पैठाणी रेंज के कोकली गांव में भी हमले शुरू कर दिए है। यहां भी भालू ने एक मवेशी को निवाला बना दिया। इससे पहले भालू ने जहां पाबौ में एक महिला पर हमला कर घायल कर दिया था वहीं खिर्सू के पास दो युवकों पर भी हमला कर उन्हें भी घायल कर दिया था। समूचे क्षेत्र में भालू के हमलों से लोग सहमे हुए है। भालू को अभी तक पकड़े नहीं जाने पर ग्रामीणों में भी रोष है। गढ़वाल वन प्रभाग की एसडीओ आयशा बिष्ट ने बताया कि भालू को खोजने के लिए टीमें लगातार गश्त में जुटी है। अभी तक भालू पकड़ में नहीं आया है। उन्होंने बताया कि पैठाणी में दूसरा भालू सक्रिय हुआ है क्योंकि थलीसैंण और पैठाणी रेजों की दूरी बेहद अधिक है। कोकली गांव में विभागीय टीम भेजी गई है। लोगों से भी भालू से सतर्क रहने की अपील की जा रही है।

कविता में सारिका नेगी, वाद–विवाद में दीपिक, सोनम ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष में शुक्रवार को राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी में उत्तराखंड से पलायन और खाली होते पहाड़, कितना सही कितना गलत, शीर्षक से वाद-विवाद प्रतियोगिता और उत्तराखंड संस्कृति, भाषा और पर्यावरण विषय पर कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कविता प्रतियोगिता में सारिका नेगी, वाद-विवाद में दीपिक एवं सोनम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौक के पर प्रभारी प्राचार्य प्रो. अशोक मित्तल ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से छात्रों का मानसिक विकास होता है। इसलिए सभी छात्रों को अध्ययन के साथ ही प्रतियोगिताओं में भी भाग लेना चाहिए। कविता प्रतियोगिता में सारिका नेगी ने प्रथम, कुमकुम भारद्वाज ने द्वितीय व शिखा देवरानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद-विवाद में दीपिका एवं सोनम ने संयुक्त रूप से पहला, कुमकुम व शिखा ने दूसरा एवं तनूजा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. विनय देवलाल, डॉ. उषा सिंह, गीता सिंह शामिल रहे।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले को भेजा जेल

ओमान में नौकरी करता था आरोपी

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि कुछ समय पहले वह ओमान में नौकरी करता था। वीजा खत्म होने के बाद वह भारत वापस आ गया था। उसे पैसों की तंगी भी हो गई थी, साथ ही वह जानता था कि कि बहुत सारे लोग नौकरी के लिए विदेश जाना चाहते हैं इसलिए उसने कम समय में अधिक पैसा कमाने के लिए लोगों से विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करनी शुरू कर दी।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार पुलिस और साइबर सेल की टीम ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर एक युवक से ठगी करने वाले शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है। ठग ने युवक से विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर 97 हजार रूपये की ऑनलाइन ठगी की थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 25 सितंबर को स्थानीय निवासी सोनम बिष्ट द्वारा कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनके भाई को वीरेंद्र सिंह नाम के एक व्यक्ति द्वारा साउथ अफ्रीका में अच्छी नौकरी दिलाने का झांसा दिया, जिसके लिए उसने कुछ पैसे मांगे। मेरे भाई ने उस व्यक्ति पर विश्वास कर उसके बताए खातों में 97,000 रुपये की धनराशि ट्रांस्फर कर दी। इसके बाद उसने उनके फोन उठाने बंद कर दिए। इसके बाद उन्हें धोखाधड़ी होने का अहसास हुआ और उन्होंने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई।

पीड़िता की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी एवं ठगी का खुलासा करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह व क्षेत्राधिकारी निहारिका सेमवाल के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवर के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने मामले की जांच करते हुए पाया कि उक्त धोखाधड़ी में वीरेन्द्र नहीं ब्लकि अनिल रावत, निवासी ग्राम भल्डयाणा, कंडीसौड़, टिहरी गढ़वाल संलिप्त था। इस तथ्य की पुष्टि होने पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी अनिल रावत पुत्र स्वर्गीय अजीत रावत निवासी ग्राम भल्डयाणा, कंडीसौड़, टिहरी गढ़वाल को गुरुवार को देहरादून से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक दीपक पंवार, कांस्टेबल बलदेव, अमित, आरक्षी अमरजीत शामिल थे।

जानलेवा हमले के पांच आरोपी दोषी करार, 10-10 वर्ष की सुनाई सजा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जान से मारने की नीयत से किए गए हमले के मामले में कोटद्वार के अपर सत्र न्यायालय ने पांच अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए 10-10 वर्ष के कारावास और 40-40 हजार के जुर्माने की सजा सुनाई है। फैसले के बाद सभी अभियुक्तों को जिला कारागार खांडयूसैंण पौड़ी भेजा जाएगा।

पुलिस के अनुसार 01 मार्च 2022 को शोभा देवी निवासी देवी नगर ने थाना कोटद्वार में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया था कि सागर सहित कई लोगों ने उनके भाई रोहित पर जानलेवा हमला किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना कोटद्वार ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया था। मामले की विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने अभियुक्त सागर, दुर्गा प्रसाद, गौरव उर्फ बॉबी, नवीन और आकाश के विरूद्ध 5 जुलाई 2022 को आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। शुक्रवार को अपर सत्र न्यायाधीश कोटद्वार की अदालत ने निर्णय सुनाते हुए सभी अभियुक्तों को दोषी मानते हुए सख्त सजा सुनाई गई। कोर्ट ने प्रत्येक अभियुक्त को 10 वर्ष का कठोर कारावास और 40 हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित किया है। न्यायालय ने सागर पुत्र सुनील निवासी ग्रास्टनगंज कोटद्वार, दुर्गा प्रसाद उर्फ भूपेन्द्र पुत्र धनीराम निवासी ग्राम बैसठी बागी, पट्टी बिछला ढांगू सतपुली, गौरव उर्फ बॉबी पुत्र चंदन लाल निवासी ग्रास्टनगंज कोटद्वार, नवीन पुत्र इंदर सिंह निवासी रिफ्यूजी कॉलोनी देवी रोड कोटद्वार, आकाश पुत्र सुनील निवासी ग्रास्टनगंज कोटद्वार को दोषी करार देते हुए 10-10 वर्ष कारावास और 40-40 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। फैसला सुनाए जाने के बाद पुलिस ने सभी अभियुक्तों को जेले भेजने की कार्रवाई की।

गुलदार के आंतक से निजात दिलाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल में गुलदार का आंतक थमने का नाम नहीं ले रहा है। पोखड़ा में दोपहर में गुलदार के सक्रिय होने से ग्रामीणों में दहशत बनी है। ग्रामीणों ने बताया कि गुलदार दोपहर में ही गांव के आस-पास घूम रहे है। जिससे जानमाल का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार के आंतक से निजात दिलाने की मांग की।

गवाणी व चौबट्टाखाल के बीच पंचवटी के पास दिन में ही दो गुलदार सड़क पर खुले आम घूमते दिखाई दिए। गुलदारों के इस तरह से सड़क पर घूमने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता जीतेंद्र नेगी ने बताया कि ये गुलदार सड़क पर आए हुए थे और इसी दौरान कोई कार से जा रहा था तो उसने ये वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला है। बताया कि इन दिनों गुलदार की दहशत आस-पास के गांवों में भी बनी है। कहा कि यदि इसी दौरान कोई पैदल राहगीर यहां से गुजरा होता तो गुलदार का निवाला बन गया होता। वन विभाग से गुलदार के आंतक से निजात दिलाने की मांग की गई है।

वाहन स्वामियों व चालक-परिचालकों ने लगाया अनदेखी का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : यातायात कंपनी जीएमओयू से जुड़े वाहन स्वामियों, चालक, परिचालकों ने कंपनी की यातायात समिति पर उनके हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। कहा कि यातायात समिति की बैठक में संचालक मंडल की ओर से वाहन स्वामियों और चालक परिचालकों की अनदेखी की गई। चेतावनी दी कि यदि कंपनी प्रबंधन की ओर से आगामी वार्षिक बैठक में सभी वाहन स्वामियों और चालक परिचालकों को शामिल नहीं किया गया तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

शुक्रवार को आयोजित बैठक में वाहन स्वामियों व चालक-परिचालकों ने कहा कि दिन के पहले सत्र में कंपनी की यातायात समिति की बैठक हुई, जिसमें वाहन स्वामियों व चालक परिचालकों को अपनी बात कहने का मौका नहीं दिया गया। साथ ही अधिक बोलने पर वाहन को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखाने की चेतावनी दी गई। कहा कि कंपनी प्रबंधन पूर्व प्रबंधन की भांति तानाशाही पर उतर आया है।

वाहन स्वामियों को पूर्व कंपनी अध्यक्ष द्वारा कंपनी का नाम बदलने के संबध में चल रही कार्रवाई से भी अवगत नहीं कराया गया और न ही कंपनी में आय के सापेक्ष की गई नियुक्तियों को स्थगित करने की मांग मानी गई। बैठक में सुरेंद्र सिंह रावत सहित अन्य वाहन स्वामी और चालक-परिचालक मौजूद रहे।

औद्यानिक केंद्र में तैयार हो रही नींबू की पौध

श्रीनगर गढ़वाल : औद्यानिक प्रशिक्षण एवं परीक्षण केंद्र श्रीनगर में इन दिनों नींबू की कटिंग तैयार करने का कार्य अंतिम चरण में है। केंद्र की अपर प्रशिक्षण अधिकारी सपना तिवारी ने बताया कि इस बार नर्सरी में करीब पांच हजार नींबू की कटिंग तैयार की गई हैं। इनमें मुख्य रूप से पंत लेमन प्रजाति की कटिंग लगाई गई हैं, जिसकी इस समय सबसे अधिक मांग है। सपना तिवारी ने बताया कि कटिंग की सफलता दर 70 से 80 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यदि कीट या बीमारी का प्रकोप नहीं हुआ तो अधिकांश पौध सफलता पूर्वक तैयार हो जाएंगी। यदि सफलता दर 50 प्रतिशत भी रहती है तो लगभग ढाई हजार नींबू की पौध तैयार हो जाएगी। यह आंकड़ा पौध के 'जनरेशन स्टेज' में आने के बाद स्पष्ट होगा। सपना तिवारी ने बताया कि केंद्र में पिछले एक माह से यह कार्य लगातार चल रहा है। विभाग की पूरी टीम नींबू की कटिंग तैयार करने और उनकी देखरेख में जुटी रही। उन्होंने कहा कि इस बार नींबू की पौध पहले की तुलना में अधिक संख्या में तैयार होगी। जुलाई तक पौध पूरी तरह तैयार हो जाएंगे और किसानों को नर्सरी से उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे क्षेत्र के किसानों को गुणवत्तापूर्ण पौध आसानी से मिल सकेगी और बागवानी को बढ़ावा मिलेगा। (एजेंसी)

कूड़ा वाहन का स्पीकर खराब, लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम के कूड़ा वाहन का स्पीकर पिछले दो दिनों से खराब होने के कारण लोगों को वाहन आने की जानकारी नहीं मिल पा रही है। गुरुद्वारा रोड, हनुमान मंदिर मार्ग और बांसवाड़ा मार्ग पर नगर निगम का कूड़ा वाहन रोजाना आता है, लेकिन स्पीकर बंद होने से लोगों को इसके आने का पता नहीं चल पा रहा है। कई घरों में दो से तीन दिन का कूड़ा जमा हो चुका है। स्थानीय निवासी विकास, रामानंद और मनोज ने बताया कि हूटर बंद होने से वाहन आने का पता नहीं चल पाता। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से मांग की कि हूटर की खराबी जल्द दूर की जाए, ताकि नियमित रूप से कूड़ा उठान हो सके और लोगों को राहत मिल सके। (एजेंसी)

भाषण में शोभा, स्लोगन में सुनैना ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, थलीसैंण में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में शोभा ममगाईं, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में सुनैना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

भाषण प्रतियोगिता में शोभा ममगाईं बीए पंचम सेमेस्टर, दिव्या बीएससी प्रथम सेमेस्टर एवं संदीप सिंह बीए प्रथम सेमेस्टर, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में सुनैना बीए तृतीय सेमेस्टर, संगीता एवं जिया बिष्ट बीए प्रथम सेमेस्टर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, डॉ. जूली ने निभाई। राजनीति विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. विकास प्रताप ने कहा कि पूर्व की अपेक्षा उत्तराखण्ड में बहुत परिवर्तन हुए हैं और सुविधाएं पहले की अपेक्षा बहुत प्राप्त हो चुकी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने उत्तराखण्ड की निर्माण यात्रा को बताते हुए उसकी उपलब्धियों को बताया और भविष्य में आने वाली आपदाओं के विषय में भी सजग रहने के लिए सुझाव दिया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग प्रभारी डॉ. बचन सिंह एवं कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. विवेक रावत ने किया। इस अवसर पर डॉ. दुदुन मेहता, डॉ. अतुल सिंह, डॉ. हरिओम रावत, डॉ. प्रमिल्ला चौहान, डॉ. गिरीश चन्द्र आर्य, डॉ. भुवन मेलकानी उपस्थित रहे।

मेले में मिल रही सरकारी सेवाओं की सुविधा

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुंठ चतुर्दशी मेले में आधार एवं डाक सेवाओं के स्टॉल लगाए गए हैं। मेयर आरती भंडारी ने कहा कि आम नागरिकों के लिए एक ही स्थान पर कई सरकारी सेवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही हैं। मेयर ने बताया कि उनके भेजे गए पत्र पर डाक अधीक्षक पौड़ी दीपक शर्मा ने बैकुंठ चतुर्दशी मेले में विशेष डाक सेवा एवं आधार सुविधा स्टॉल स्थापित कराया है। इस स्टॉल पर नागरिकों को आधार पंजीकरण और अपडेट, पेंशनधारियों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खोलने की सुविधा, डाक जीवन बीमा पॉलिसी तथा अन्य डाक योजनाओं की जानकारी और सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह विशेष सुविधा 10 नवंबर तक मेले के दौरान जारी रहेगी। बैकुंठ चतुर्दशी मेला स्थल आवास विकास मैदान में बाल विकास परियोजना खिर्सू द्वारा धात्री महिलाओं को महालक्ष्मी किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम की संयोजक बाल विकास परियोजना अधिकारी रीना बिन्दोला, आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं निगम के पार्षद मौजूद रहे। (एजेंसी)

मेयर ने किया मेला स्थल का निरीक्षण

मेयर आरती भंडारी ने मेला स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले लोगों को धूल आदि परेशानियों का सामना न करना पड़े इसके लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मेले में बुक स्टोर भी लगा हुआ है। लोग वहां से अपनी पसंदीदा पुस्तकें खरीदने के साथ ही बच्चों के लिए किताबें खरीद सकते हैं। इस मौके पर नगर आयुक्त नुपूर वर्मा, पार्षद रमेश रमोला आदि मौजूद रहे।

अनजान नंबरों पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार को कोषागार रुद्रप्रयाग में पेंशनरों और कार्मिकों के हित में पेंशन जागरूकता एवं साइबर सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पेंशनरों और सरकारी कर्मचारियों को पेंशन संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी दी और साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर विशेष सत्र हुआ। निरीक्षक गुमान सिंह नेगी ने ऑनलाइन ठगी से बचने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि अनजान नंबरों से आने वाले वीडियो कॉल या लिंक पर क्लिक न करें, व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें और ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर संपर्क करें। शिविर में पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं का समाधान मौके पर किया गया।

अगस्त्यमुनि में मंदाकिनी शरदोत्सव का रंगारंग शुभारंभ

रुद्रप्रयाग। पांच दिवसीय मंदाकिनी शरदोत्सव एवं कृषि औद्योगिक विकास मेले का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुभारंभ हो गया। पहले दिन स्थानीय स्तर पर स्कूली छात्र–छात्राओं के सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। लोगों ने स्कूली बच्चों के कार्यक्रमों की सराहना की। शुक्रवार को राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत एवं राज्य मंत्री चंडी प्रसाद भट्ट ने बतौर मुख्य अतिथि महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर विधिवत महोत्सव का उद्घाटन किया। दोनों अतिथियों ने कहा कि महोत्सव की भव्यता और इसे राजकीय मेला घोषित करवाने के लिए वे अपने स्तर से प्रयास करेंगे। ऐश्वर्या रावत ने कहा कि अपनी स्वगीर्य माता के सपनों और अधूरे छूटे कार्यों को पूरा करने का भरसक प्रयास करेंगी। उन्होंने मेला समिति को 51 हजार रुपये देने की घोषणा की। राज्य मंत्री चण्डी प्रसाद भट्ट ने स्थानीय महिला समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई शीतकालीन यात्रा से अगस्त्यमुनि, कार्तिक स्वामी, कालीमठ, विश्वनाथ व ओंकारेश्वर सहित अन्य तीर्थ स्थलों को पर्यटन से जोड़ा जाएगा, जिससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख भुवनेश्वरी देवी ने की। नगर पंचायत अध्यक्ष एवं मेला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोस्वामी ने की। मेला संयोजक विक्रम नेगी, कार्यकारी अध्यक्ष एवं मेला संस्थापक सदस्य हर्षवर्धन बेंजवाल, महासचिव पृथ्वीपाल सिंह रावत, गिरीश बेंजवाल ने मेले के आयोजन को लेकर व्यापक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज भी मेले को राजकीय मेला घोषित करने की मांग की जा रही है। वर्तमान जनप्रतिनिधियों से आह्वान करते हुए उन्होंने आने वाले वर्ष से इसे राजकीय मेले के रूप में संचालित करने की मांग की। इस मौके पर स्कूली बच्चों ने नंदा देवी, देवी जागर, डोली यात्रा सहित कई सुंदर प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख भुवनेश्वरी देवी, मेला समिति संयोजक विक्रम सिंह नेगी, जिला पंचायत सदस्य गंभीर सिंह बिष्ट, सुबोध बगवाड़ी, निर्मला बहुगुणा, शीला रावत, श्रीनंद जमोली, सावन सिंह नेगी, कैलाश चन्द्र बेंजवाल, मोहन सिंह रौतेला, रणजीत बिष्ट, निकिता भट्ट, रमेश चन्द्र बेंजवाल, हरीश गुंसाई, तिलवाड़ा व गुप्तकाशी नपं अध्यक्ष, विनीता रौतेला, उमा कैन्तुरा, रणजीत बिष्ट, सावन नेगी, रागनी नेगी, कुसुम भट्ट सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

अभाविप राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए भूमि पूजन

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए परेड ग्राउंड देहरादून में भूमि–पूजन शुक्रवार को विधिवत पूरा हुआ। 71 वेदपाठी पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चारण से पूरा परिसर धर्ममय हो उठा।कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेन्द्र, क्षेत्रीय संगठन मंत्री मनोज नीखरा, प्रांत अध्यक्ष डा. जेपी भट्ट और प्रांत मंत्री ऋषभ रावत सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। अभाविप का यह अधिवेशन 28 से 30 नवम्बर तक आयोजित होगा। जिसमें देशभर से लगभग 1500 विद्यार्थी और शिक्षक कार्यकर्ता भाग लेंगे। अधिवेशन में शिक्षा क्षेत्र के समसामयिक मुद्दों और युवाओं की भूमिका पर मंथन किया जाएगा।

कार्यशाला में समाचार लेखन के बारे में जाना

देहरादून। दून विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लैंग्वेजज के अंग्रेजी विभाग की ओर से स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज के सहयोग से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 'जर्नलिजुम स्किल्स: द पावर ऑफ वड्र्स एंड विजुअल्स' विषय पर आयोजित कार्यशाला में समाचार लेखन और लेआउट डिजाइन के बारे में जानकारी गई। समापन पर स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज की सहायक प्रोफेसर डॉ. राशि मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता अवलोकन, संवेदनशीलता और उन सच्चाइयों को कहने के साहस पर टिकी है, जो समाज के लिए मायने रखती हैं। कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों ने दृश्य तत्व शब्दों के प्रभाव को और सशक्त बनाने के गुर सीखे। समाचार–पत्र के डिजाइन, शीर्षक, कैप्शन और कहानी के स्थान–निर्धारण पर प्रयोगात्मक अभ्यास किया। कार्यशाला कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल के संरक्षण और डॉ. चेतना पोखरियाल के मार्गदर्शन में हुई।

पिथौरागढ़ के छात्रों ने अपने आविष्कार को एग्रो विजन का नाम दिया

देहरादून। युवा महोत्सव में विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों की ओर से विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रचनात्मक सोच और वैज्ञानिक सिद्धांतों का विकास शामिल किया गया है। प्रदर्शनी में युवाओं द्वारा बनाए गए विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल और नवाचार शामिल थे, सौर वैली पब्लिक स्कूल पिथौरागढ़ आए, कक्षा 11 के पांच छात्र शिवांश तिवारी, दृष्टि कन्याल, आदित्य ठकुराठी, प्रियांशु सन्याल, हर्षित चन्याल ने मिलकर युवा महोत्सव में एक विज्ञान प्रदर्शनी लगाई। जिसमें उनके शिक्षक ने उनका साथ देकर मॉडल बनाने में मदद की। जिसे छात्रों ने एग्रो विजन का नाम दिया। जिसमें मॉडल के पहले फीचर में हिल्स स्ट्रोम से फसलें खराब हो जाती हैं और रेन सेंसर के जब बारिश की बूंदें पड़ेंगी तो ऑटोमेटिक ही मशीन चालू होकर फसलों को खराब होने से बचाने का काम करेगी।

दूसरे फीचर के बारे में छात्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि जंगली जानवर से फसलों को बचाने के लिए सोलर पैनल से चारों तरफ वायरिंग की है। जैसे ही कोई जानवर उस क्षेत्र में प्रवेश करेगा तो उसे हल्का सा झटका लगेगा और फसलों को जानवर बर्बाद नहीं कर पाएंगे।

तीसरे फीचर में खेत की मिट्टी की नमी के बारे में फोन के माध्यम से जानकारी मिलेगी और ड्रिप ऐरिगेशन से खेतों को जितने पानी की जरूरत है, बूंद बूंद कर उतना ही पानी इस्तेमाल किया जाएगा।

एआई में नैतिकता की सबसे ज्यादा जरूरत

देहरादून। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तभी सार्थक है जब यह नैतिकता और भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ा हो। ये बात उत्तरांचल विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर हिमाचल विवि के कुलपति प्रो. हरमीहिंदर सिंह बेदी ने कही। लाइब्रेरी एंड टेक्नोलॉजी ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड ह्यूमैनिटीज इन एजुकेशन पर आयोजित इस कार्यशाला में विवि के कुलपति प्रो. धर्म बुद्धि ने एजुकेशन 4.0 के बारे में बताते हुए कहा कि तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग सीखने की प्रक्रिया को अधिक रचनात्मक बनाता है। सम्मेलन में सतत विकास के लिए नैतिक व जिम्मेदार एआई और पर्यावरणीय स्थिरता में एआई की भूमिका जैसे विषयों पर पैनल डिस्कशन हुए। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रोफेसर मालिका पायल ने किया और समापन प्रो. डॉ. रीता रौतेला के आभार प्रस्ताव से हुआ। कार्यशाला में विवि के अध्यक्ष जितेंद्र जोशी, उपाध्यक्ष अंकिता जोशी,दिल्ली के प्रो. केपी सिंह और फिलिपींस विवि के प्रो. रेनेसिंथ बी जौरिंग भी मौजूद रहे।

पीएम ड्यूटी में तैनात अधिकारियों को डीएम ने समझाए दायित्व

देहरादून। राज्य स्थापना दिवस रजत जयंती वर्ष के मुख्य कार्यक्रम एवं माननीय प्रधानमंत्री जी के आगमन के दृष्टिगत जिलाधिकारी सविन बंसल ने आईआरडीटी ऑडिटोरियम में वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) परिसर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में तैनात मजिस्ट्रेट , सैक्टर मजिस्ट्रेट , नोडल अधिकारियों की ब्रीफिंग करते हुए तैनात अधिकारियों को उनके दायित्व समझाए। साथ ही कहा कि वीवीआईपी ड्यूटी में किसी प्रकार की भूल–चूक के लिए कोई स्थान नहीं है इसलिए अपने दायित्वों को समझकर भलीभांति निर्वहन करें तथा यदि कोई शंका है तो उसका समय रहते समाधान कर लें। आईआरडीटी ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम हेतु तैनात सभी मजिस्ट्रेटों, सैक्टर मजिस्ट्रेट , लाईजनिंग अधिकारियों, नोडल अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को ब्रीफ करते हुए उनके कर्तव्यों, जिम्मेदारियों एवं दायित्वों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने कहा कि वीवीआईपी ड्यूटी महत्वपूर्ण होती है इसमें किसी भी लापरवाही के लिए कोई स्थान नही होता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने दायित्वों को भलीभांति समझते हुए दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, आगंतुकों की सुविधा, सिटिंग व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, वीआईपी मूवमेंट, स्वास्थ्य एवं आपातकालीन सेवाएं आदि सुनिश्चित कर ली जाएं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्राधिकार, ड्यूटी स्थल ब्लॉक का निरीक्षण कर समझ लें तथा जिन–जिन अधिकारियों की ड्यूटी उनके ब्लॉक में लगाई गई है उनसे समय से समन्वय कर लें ताकि कार्यक्रम दिवस में किसी प्रकार असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी कार्मिक की काई समस्या है तो वह समय रहते अपनी शंका का समाधान कर ले।

उत्तराखंड राज्य रजत उत्सव की तैयारियां जोरों पर

मुख्यमंत्री धामी ने एफ.आर.आई में लिया तैयारियों का जायजा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह हमारे लिए हर्ष का विषय है कि हम राज्य स्थापना दिवस के रजत वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं।

कहा कि हमारे राज्य को पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने बनाया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसको संवार रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि माननीय प्रधानमंत्री हमारे राज्य के इस रजत उत्सव में प्रतिभाग करने आ रहे हैं और हमारे राज्य को हमेशा से उनका सानिध्य मिलता रहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने इन 25 वर्षों में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं और 2047 के विकसित भारत निर्माण की दिशा में हमारा राज्य अग्रणी भूमिका निभाने को तत्पर है। उन्होंने जिला प्रशासन देहरादून, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और संबंधित अधिकारियों को रजत उत्सव की तैयारियों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक मुन्ना सिंह चौहान, खजानदास, सहदेव पुंडीर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

दून में टाईप 1 डायबिटीज से ग्रसित बच्चों को सुलभता से मिलेगा उपचार: डॉ शर्मा

देहरादून। जिला कोरोनेशन चिकित्सालय में जनपद का पहला गुब्बारा क्लीनिक का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार शर्मा एवं प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनु जैन ने किया। इस सप्ताह विकासनगर और रायपुर में भी क्लीनिक खुलेगा। शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार शर्मा एवं प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनु जैन ने बताया कि गैर संचारी रोग कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित इस क्लीनिक के माध्यम से डायबिटीज टाईप 1 से ग्रसित बच्चों को स्क्रीनिंग एवं उपचार सेवाएं प्रदान की जाएंगी। गुब्बारा क्लीनिक का उद्देश्य टाईप 1 डायबिटीज से ग्रसित बच्चों को उपचार के साथ–साथ हर शुक्रवार को मधुमेह की नियमित जांच के साथ–साथ उन्हें एक माह के लिए घर में उपयोग हेतु ग्लूकोमीटर, ग्लूकोस्ट्रिप व लेंसेट, इंसुलीन की किट एवं लॉगबुक उपलब्ध करायी जाती है। सीएमओ शर्मा ने कहा कि जनपद में यह पहला गुब्बारा क्लीनिक स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से टी 1 डायबिटीज से ग्रसित बच्चों को चिकित्सालय के साथ–साथ घर पर भी उपचारात्मक सुविधा उपलब्ध करायी जा सकेगी। शीघ्र ही उप जिला चिकित्सालय विकासनगर और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रायपुर में भी यह क्लीनिक प्रारंभ किया जा रहा है। वर्तमान में जनपद में ग्रसित बच्चों की लाईन लिस्टिंग की गयी है। सीएचओ और यूपीएचसी के माध्यम से ऐसे अन्य बच्चों की पहचान को अभियान चलाया जायेगा, जिससे कोई भी बच्चा इन सेवाओं से वंचित ना रहे।

चमोली जिले में 9205 परीक्षार्थी देंगे बोर्ड परीक्षा

चमोली। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इंटर परीक्षा की तैयारियों को लेकर गुरुवार को अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में परीक्षा संचालन, सुरक्षा व्यवस्था और केंद्रों की तैयारियों की समीक्षा की गई।

जिले में 107 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 9205 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। 10वीं में 2485 बालक व 2340 बालिकाएं तथा 12वीं में 2154 बालक व 2226 बालिकाएं शामिल होंगी। छह संवेदनशील केंद्रों पर विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। बैठक में शिक्षा अधिकारी श्रीकांत पुरोहित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने ली सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक

चमोली। जिलाधिकारी गौरव कुमार के अध्यक्षता में शुक्रवार को क्लेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें 14 एजेण्डा बिन्दुओं जैसे दुर्घटना का पूर्ण विवरण, कारण, स्थलीय जॉच का विवरण एवं साक्ष्य, रोड साइनेज आदि सभी बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गई, जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षित यातायात के लिए सड़क सुरक्षा से जुड़े कायी को प्राथमिकता पर पूरा किया जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सुरक्षित यातायात के लिए संकरे मार्ग, भूस्खलन क्षेत्र एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर क्रैश बैरियर व साइनेज लगाए जाए। सेफ्टी के अन्तर्गत चिन्हित ब्लैक स्पॉटों के अवशेष कायी को तत्काल पूरा किया जाए। बैठक में बताया गया कि माह जून से अक्टूबर, 2025 तक कुल 24 सड़क दुर्घटनाएं हुई है। जिसमें 22 लोगों की मृत्यु और 35 लोग घायल हुए है।

बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, लोनिवि के अधीक्षण अभियंता राजेश चन्द्र,मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी अभिषेक भटगांई सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में हुआ राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम का गायन

चमोली। स्व0 श्री बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित भारत के सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय गीत ह्यह्यवन्दे मातरमह्यह्य के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर के कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय गीत ह्यह्यवन्दे मातरम का गायन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय श्री गौरव कुमार, अपर जिलाधिकारी श्री विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक श्री आनंद सिंह भाकुनी एवं मुख्यालय के समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। तत्पश्चात जिलाधिकारी महोदय एवं अन्य अधिकारीगणों द्वारा मा0 प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना गया।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से विकास के रोड मैप को मिलेगा मार्गदर्शन : चौहान

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि इससे विकास के रोडमैप को मार्गदर्शन मिलेगा। सदी के सर्वश्रेष्ठ राज्य की दिशा में अग्रसर उत्तराखंड के कदमों को नई रफ्तार मिलेगी। चौहान ने कहा कि पीएम मोदी ने 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प देशवासियों के सामने रखा है। वर्ष 2050 उत्तराखंड राज्य स्थापना का स्वर्ण जयंती वर्ष होगा। ऐसे में आने वाले इन 25 वर्षों के लिए राज्य सरकार एक नया रोडमैप बना कर आगे बढ़ेगी। युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में महिलाएं, युवा समेत हर वर्ग मे उल्लास का माहौल है। नकल माफियाओं की कमर तोड़ कर सीएम धामी युवा वर्ग मे लोकप्रिय हैं। युवाओं की मांग पर ही सीएम धामी ने सीबीआई जांच के साथ ही पेपर रद्द का निर्णय लिया। इससे युवाओं में एक अभूतपूर्व ऊर्जा, विश्वास और आग दिखाई दे रही है। युवाओं के सीएम धामी के प्रति दिखाए जा रहे इस उत्साह से साफ है कि वर्ष 2027 के चुनाव में उत्तराखंड में भाजपा पहले से भी अधिक बड़े बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जनपद में गूंजा देशभक्ति का स्वर

देहरादून। भारत वर्ष के राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर जनपद के सभी सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों में प्रातः 10 बजे ''वंदे मातरम'' का गायन किया गया। जिलाधिकारी सविन बंसल के दिशा निर्देशन में जिला कार्यालय में उप जिलाधिकारी अपूर्वा सिंह की मौजूदगी में क्लेक्ट्रेट परिसर के समस्त अधिकारियों, कार्मिकों एवं गोर्वधन सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राओं की उपस्थिति में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। इस मौके पर देशभक्ति से ओत–प्रोत वातावरण में अधिकारीगण, कार्मिक, शिक्षक, विद्यार्थी सभी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। उप जिलाधिकारी अपूर्वा सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, अपितु राष्ट्र के प्रति सम्मान और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1875 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा का स्रोत रहा है। राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सभी सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों में वंदे मातरम् का गायन किया जा रहा है।

आरएसएस का 16 नवंबर से गृह संपर्क अभियान

देहरादून। 14 दिसंबर तक अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचेगा संघ स्वयंसेवकों को हर घर तक पहुंच बनाने का दिया गया लक्ष्य देहरादून, मुख्य संवाददाता। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ 16 नवंबर से 14 दिसंबर तक गृह संपर्क अभियान चलाएगा। संघ के शताब्दी वर्ष पर देश भर में चलाए जा रहे अभियानों के तहत उत्तराखंड में भी अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत स्वयंसेवक घर–घर जाकर परिवारों से संपर्क करेंगे। आम जन को संघ की स्थापना, कार्यपद्धति, सेवा कार्यों और 100 साल की यात्रा की जानकारी दी जाएगी। आरएसएस प्रांत प्रचार प्रमुख संजय ने बताया कि स्वयं सेवक परिवारों को संघ से संबंधित पत्र, पुस्तिकाएं और साहित्य वितरित किए जाएंगे। इस अभियान के माध्यम से समाज में पंच परिवर्तन के संदेश को फैलाया जाएगा। कुटुंब प्रबोधन के जरिए पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों का महत्व समझाया जाएगा। सामाजिक समरसता के जरिए समाज में एकता और सद्भाव को बढ़ाया जाएगा। पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के साथ तालमेल बिठा कर जीवन जीने की शैली का ज्ञान दिया जाएगा। स्वदेशी और भारतीय संस्कृति पर आधारित विचारों को बढ़ावा दिया जाएगा।

थराली में पेंशनधारकों को जागरूक किया

चमोली। उत्तराखंड राज्य स्थापना रजत जयंती वर्ष के तहत शुक्रवार को उपकोषागार थराली में पेंशन जागरूकता एवं सहायता शिविर आयोजित किया गया। उपकोषाधिकारी प्रकाश थपलियाल की अध्यक्षता में हुए शिविर में पेंशनधारकों को डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट, आयकर, पारिवारिक पेंशन व साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। थाना अध्यक्ष विनोद चौरसिया ने साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताए, जबकि डॉ. रुद्र व उनकी टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। डाक विभाग ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक सेवा के माध्यम से घर–घर बायोमेट्रिक सत्यापन की जानकारी दी। अंत में पेंशनधारकों को सम्मानित किया गया।

रजत जयंती समारोह: डीएम बंसल ने किया दून मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना

देहरादून। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस रजत जयंती समारोह के अवसर पर जिला प्रशासन देहरादून के तत्वाधान में आज दून मैराथन को जिलाधिकारी सविन बंसल ने झंडी दिखाकर रवाना किया। 8 किमी मैराथन दौड़,पवेलियन ग्राउंड से कनक चौक– एस्ले हॉल– बहल चौक–दिलाराम चौक– ब्रह्मकमल चौक से एनआईवीएच व एनआईवीएच से वापस ब्रह्मकमल चौक , दिलाराम चौक , कनक चौक होते हुए पवेलियन ग्राउंड में समापन हुआ । मैराथन दौड़ में 700 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि आज हम सब एक ऐतिहासिक अवसर के साक्षी हैं। उत्तराखण्ड राज्य के स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने के इस गौरवशाली क्षण पर यह दून मैराथन दौड़ केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक संकल्प, एकता और ऊर्जावान उत्तराखण्ड की प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि मैराथन हमें दृढ़ संकल्प, धैर्य और निरंतर आगे बढ़ते रहने का संदेश देती है। मैराथन में लक्ष्य तक पहुँचने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है, वैसे ही हमारे राज्य के विकास के लिए भी प्रत्येक नागरिक का सतत प्रयास आवश्यक है।जिलाधिकारी ने कहा कि युवा हमारे प्रदेश की शक्ति हैं, हमारी आशा हैं। आपके कदमों की गति में हमारे राज्य का भविष्य निहित है। इस दौड़ के माध्यम से आप 'स्वस्थ उत्तराखण्ड झ सशक्त उत्तराखण्ड' का संदेश पूरे समाज तक पहुँचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल जीतने के लिए नहीं, बल्कि "खेल भावना, स्वास्थ्य और एकता" के लिए है। सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने राज्य को स्वच्छ, स्वस्थ, समृद्ध और आदर्श राज्य बनाने में अपना पूर्ण योगदान देंगे।

मैराथन दौड़ महिला वर्ग में तनुश्री चौहान प्रथम स्थान, गौरी रावत द्वितीय स्थान तथा सुधा पटेल तृतीय स्थान पर रही। वहीं पुरुष वर्ग में नितिन भंडारी प्रथम स्थान, मुकेश द्वितीय स्थान तथा विपिन तृतीय स्थान पर रहे।

आसमान से जमीन तक छाया उत्साह, रजत जयंती पर युवाओं ने रचा जोश का इतिहास

– मैराथन, हॉट एयर बैलून से पैराग्लाइडिंग तक: रजत जयंती पर युवाओं ने दिखाया जज्बा

देहरादून। राजधानी देहरादून में रजत जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन, खेल और युवा कल्याण विभाग की संयुक्त तत्वाधान में हॉट एयर बैलून राइड, पैराग्लाइडिंग एवं मैराथन दौड़ आयोजित कर युवाओं को फिट इंडिया मूवमेंट की ओर अग्रसर किया। साथ ही विभिन्न जगहों में आयोजित साहसिक खेलों ने भी युवा स्कूली छात्राओं छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। जनपद देहरादून के डोईवाला ब्लॉक के थानों में राजकीय इंटर कॉलेज के प्रागंण में हॉट एयर बैलून राइड का आयोजन किया गया। जिसमें कई युवाओं ने प्रतिभाग कर हॉट एयर बैलून का आनंद लिया। साथ ही स्कूली छात्र छात्राओं ने इस साहसिक खेल का अनुभव भी किया।इसी के साथ थानो न्याय पंचायत के ग्राम चक तलाई में पैराग्लाइडिंग का आयोजन किया गया। जिसमे बीएसएफ इंस्टीट्यूट ऑफ एडवेंचर एंड ट्रेनिंग देहरादून के अनुभवी पैराग्लाइडर्स ने पैराग्लाइडिंग कर आसमान में करतबबाज़ी दिखाई और एयरो शो व एक्यूरेसी स्ट्रेंथ का प्रदर्शन किया। वहीं 07 नवंबर को सुबह देहरादून के पवेलियन ग्राउंड से आठ किलोमीटर मैराथन दौड का आयोजन किया गया। मैराथन में 700 से अधिक युवाओं ने प्रतिभाग कर फिट इंडिया मूवमेंट में अपनी भागीदारी निभाई। फिट उत्तराखंड और फिट इंडिया मूवमेंट की मुहिम को आगे बढ़ते हुए युवाओं ने दौड़ लगाकर स्वस्थ शरीर के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

रक्षा तकनीकों में एआई से बनेंगे वैश्विक शक्ति:डा. बीके दास

देहरादून. भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा शक्ति है। हमारे पास ज्ञान, कौशल, नवाचार और वैश्विक दृष्टि है। हम डेटा सावरेनिटी, क्वांटम कम्प्यूटिंग, स्पेस इनोवेशन और सांस्कृतिक शोध में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। रक्षा के क्षेत्र में भी हम अपनी तकनीकें स्वयं डिजाइन और विकसित करने में सक्षम हैं। भारत सुपरपावर बनेगा, वह भी हमारी आंखों के सामने और हमारी भागीदारी से। यह बात डीआरडीओ के डायरेक्टर जनरल (टेक्नोलाजी मैनेजमेंट) डा. बीके दास ने शुक्रवार को कही। वे यूपीईएस के स्कूल आफ कंप्यूटर साइंस की ओर से चकराता रोड स्थित एक होटल में आयोजित मशीन लर्निंग एंड डेटा इंजीनियरिंग पर आयोजित तीन दिवसीय इंटरनेशनल कान्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। डा. दास ने कहा कि आज दुनिया का हर देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, रिमोट सेंसिंग और स्वायत्त रक्षा प्रणालियों में बढ़त हासिल करना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत केवल तकनीक का ग्राहक नहीं रहा, अब वह तकनीक का निर्माता और दिशा निर्धारक बन चुका है।

राष्ट्र–निर्माण केवल नीति स्तर से नहीं होता, शोध प्रयोगशालाओं,विश्वविद्यालयों, स्टार्टअप्स और उद्योगों से होता है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। अगर हमारे शोधकर्ता और युवा समस्याओं को समाधान दृष्टि से देख लें, तो दुनिया की कोई ताकत भारत को रोक नहीं सकती।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469 / 79

फोन / फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com